Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 237
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 03 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नागपुर को एक ...
4 मासूम मन पर आक्रामकता का असर...
7 मैं खुद बड़े मैच का खिलाड़ी मानता हूं :...

संक्षिप्त न्यूज

नई परियोजनाएं बिहार के समग्र विकास में निभाएंगी अहम भूमिकाः नितिन नवीन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में बिहार की आधारभूत संरचना को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए। इस बैठक में करोड़ों रुपये की अहम सड़क परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई। इसके लिए पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। मंत्री ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि ये निर्णय राज्य के सर्वांगीण विकास और सड़क नेटवर्क के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही नागरिकों को सुगम सड़क संपर्कता की भी सुविधा प्रदान करेगी।

उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत गंडक नदी पर फतेहाबाद (पारू ब्लॉक) से चंचलिया (सरैया ब्लॉक) तक उच्चस्तरीय पी.एस.सी. बॉक्स सेल सुपरस्ट्रक्चर मेन पुल एवं पहुंच पथ में 3 अद्द पी0एस0सी0 सुपरस्ट्रक्चर पुल निर्माण कार्य हेतु 589 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे हज़ारों लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी। साथ ही इससे लोगों का समय बचेगा एवं ईंधन की खपत भी कम होगी।

उन्होंने आगे कहा कि कैबिनेट ने पटना में गंगा नदी के किनारे प्रस्तावित जेपी गंगा पथ (दीघा से दीदारगंज, लंबाई 20.5 किमी) परियोजना को मंजूरी दी है। इसमें भूमि अधिग्रहण, यूटिलिटी शिफ्टिंग, ईएमपी और आर एंड आर कार्य शामिल हैं। इस परियोजना के लिए 4,119 करोड़ 6 लाख रुपये की तीसरी पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके पूर्ण होने पर राजधानी के दोनों छोर के बीच तेज और सुविधाजनक यातायात की व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

पूर्णिया में पीएम मोदी का डबल धमाकाः

एयरपोर्ट की सौगात, महिलाओं के खाते में 10,000 की गारंटी

पूर्णिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया हवाई अड्डे का उद्घाटन करने बिहार के पूर्णिया आएंगे। वह शीशबाड़ी गाँव में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे, जहाँ पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज जिलों के लोगों के इकट्ठा होने की उम्मीद है। बिहार भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार कि प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय से प्रतीक्षित हवाई अड्डे का उद्घाटन करके सीमांचल के लोगों को एक बड़ा तोहफा देंगे, जो इस क्षेत्र की लंबे समय से मांग रही है। 15 सितंबर को वह हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और इस सुविधा से पहली व्यावसायिक सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। नेता ने आगे कहा कि महिला सशक्तिकरण उपायों के तहत, प्रत्येक परिवार की एक महिला के बैंक खाते में 10,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री एक विकसित बिहार के सपने को साकार करने के विजन के साथ आ रहे हैं।'

इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए बिहार में बिहार राज्य जीविका निधि

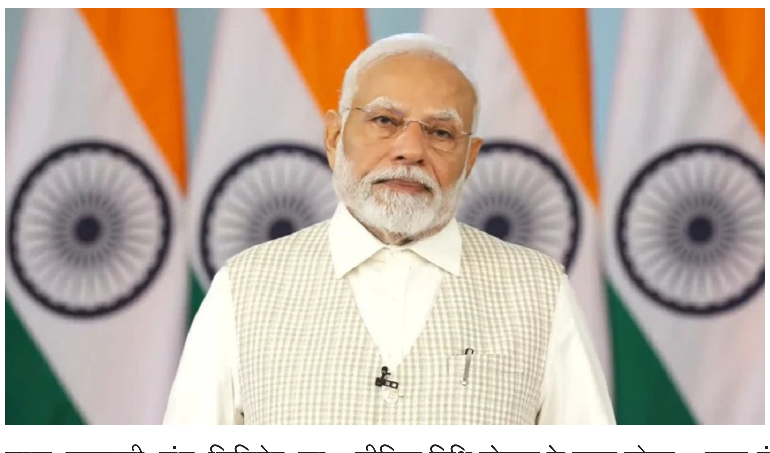

साख सहकारी संघ लिमिटेड का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और अन्य नेता मौजूद थे। उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये भी हस्तांतरित किए।

एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने जीविका निधि योजना के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि बिहार की महिलाओं को अवसरों की कमी न हो। उन्होंने लिखा, 'हम यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं कि हमारे बिहार की माताओं, बहनों और बेटियों को किसी भी अवसर की कमी न हो। इस संबंध में, आज दोपहर लगभग 12:30 बजे, मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए एक बड़ी पहल का उद्घाटन करूंगा।' प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की एक विज्ञप्ति के अनुसार, जीविका निधि की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य जीविका से जुड़े समुदाय के सदस्यों को सस्ती ब्याज दरों पर धन तक आसान पहुँच प्रदान करना है। जीविका के तहत पंजीकृत सभी क्लस्टर-स्तरीय संघ सहकारी समिति के सदस्य बनेंगे। बिहार सरकार और केंद्र सरकार दोनों संस्था के संचालन के लिए वित्तीय योगदान देंगे।

जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के नेताओं के असम दौरे को लेकर पुलिस अलर्ट, सीएम का निर्देश-कानून व्यवस्था न बिगड़े

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा है कि जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के नेताओं के असम के गोलपाड़ा जिले के दौरे को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है और कड़ी निगरानी की जाएगी। जमीयत उलेमा ए हिंद का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को गोलपाड़ा का दौरा करेगा। सीएम ने पुलिस से हालात पर कड़ी निगरानी रखने को कहा है और साफ निर्देश दिया है कि कानून व्यवस्था न बिगड़ने पाए।

सीएम बोले- जिला संवेदनशील, पुलिस अलर्ट पर

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सीएम ने लिखा कि 'जमीयत उलेमा ए हिंद का एक प्रतिनिधिमंडल गोलपाड़ा जिले का दौरा करेगा। आगामी बोडोलैंड टेरीटोरियल क्षेत्र चुनाव को देखते हुए जिले में हालात संवेदनशील हैं। असम पुलिस शांति और स्थिरता के लिए लगातार निगरानी करेगी।' सीएम ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रतिनिधियों के नाम भी साझा किए, जिनमें जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी, महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासिमी, मुफ्ती जावेद इकबाल कासमी, मौलाना खालिद अनवर, कारी नौशाद आदिल, मौलाना नावेद आलम कासमी, मौलाना सलमान शामिल हैं। असम सीएम ने कहा कि जिले में पुलिस को पूरी तरह से अलर्ट पर रखा गया है। असम के गोलपाड़ा जिले में हाल ही में वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया गया। इस अभियान के पुलिस और स्थानीय लोगों को बीच हिंसक झड़प भी हुई। आरोप है कि जिस इलाके से अतिक्रमण हटाया गया, वह वनभूमि है और ये लोग अवैध तरीके से यहां बसे थे। इसे लेकर खासा विवाद हुआ।

असम में होने हैं बोडोलैंड काउंसिल के चुनाव

असम में 40 सदस्यीय बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के चुनाव होने हैं। इनके लिए भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) तथा असम गण परिषद (एजीपी) ने अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। चुनाव 22 सितंबर को होने वाले हैं।

बाढ़ से जूझ रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लिए हरियाणा ने बढ़ाया मदद का हाथ, भेजे 5-5 करोड़

चड़ीगढ़। हरियाणा सरकार ने बाढ़ प्रभावित पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की है। इस संकट के दौरान राहत उपायों के तहत, राज्य ने पंजाब और जम्मू-कश्मीर दोनों के लिए 5-5 करोड़ रुपये जारी किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस धनराशि का उपयोग राहत कार्यों और बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए किया जाएगा। इस कदम को पड़ोसी राज्यों के प्रति एकजुटता, सहयोग और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

पंजाब और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों को नायब सैनी ने पत्र भी लिखा है। पत्र को साझा करते हुए सैनी ने एक्स पर लिखा कि पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आई भीषण बारिश व बाढ़ से उत्पन्न हालात बेहद दुखद हैं। इस संकट की घड़ी में हरियाणा सरकार और प्रदेश की जनता प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री राहत कोष से पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लिए 5-5 करोड़ रुपये की सहायता राशि भेजी गई है। यह मदद राहत और बचाव कार्यों में सहायक होगी और प्रभावित परिवारों तक त्वरित सहायता पहुँचाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का यह प्रयास है कि ज़रूरत पड़ने पर आगे भी हर संभव सहयोग किया जाए। हम सभी प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाते हैं कि हरियाणा उनकी सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राष्ट्रपति के संदर्भ में ही की जाएगी संविधान की व्याख्या, व्यक्तिगत मामलों में नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह संविधान की व्याख्या केवल राष्ट्रपति के संदर्भ में ही करेगा, न कि व्यक्तिगत मामलों में। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी इस सवाल पर की, जिसमें पूछा गया था कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने यह टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी आंध्र प्रदेश आदि राज्यों से जुड़े उदाहरणों का हवाला देंगे, तो केंद्र को भी जवाब दाखिल करना होगा। इस पर सीजेआई गवई ने कहा, 'हम आंध्र प्रदेश, तेलंगाना या कर्नाटक

जैसे किसी भी व्यक्तिगत मामले में नहीं जाएंगे। हम केवल संविधान की धाराओं की व्याख्या करेंगे, और कुछ नहीं।'

सिंघवी ने विधेयकों के अस्वीकार होने का बताया अर्थ

वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के छठे दिन अपनी दलीलें शुरू कीं और संक्षेप में बताया कि विधेयकों के अस्वीकार होने का क्या अर्थ है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत शक्तियों का प्रयोग करके विधेयक को विधानसभा को दोबारा विचार के लिए लौटाते हैं और विधानसभा उसे वापस न भेजे या पारित न करे, तो विधेयक स्वाभाविक रूप से पारित हो जाता है। इस पर सीजेआई ने सिंघवी से पूछा कि अगर राज्यपाल विधेयक को रोक कर रखें और वापस विधानसभा को न भेजें तो क्या होगा? इस पर सिंघवी ने कहा कि ऐसी स्थिति में विधेयक आगे नहीं बढ़ पाता और पहले के फैसलों के अनुसार वह 'फॉल थ्रू' मान लिया जाता है, जब तक कि अनुच्छेद 200 की पहली शर्त पूरी न हो।

संविधान के अनुच्छेद 200 में प्रयुक्त शब्द यथाशीघ्र का नहीं रहेगा कोई व्यवहारिक उद्देश्य

इससे पहले, 28 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यदि राज्यपालों को 'अनंत काल' तक सहमति रोकने की अनुमति दी जाती है, तो विधेयकों के भाग्य का फैसला करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 200 में प्रयुक्त शब्द 'यथाशीघ्र' का कोई व्यवहारिक उद्देश्य नहीं रह जाएगा।

'आज पंजाब संकट में है', केजरीवाल की मदद की गुहार, आप विधायक एक महीने का वेतन दान करेंगे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पंजाब के लिए देशव्यापी समर्थन की अपील की। ??उन्होंने घोषणा की कि पार्टी के सांसद और विधायक पंजाब के मुख्यमंत्री राहत कोष में एक महीने का वेतन देंगे। आप नेता की यह अपील ऐसे समय में आई है जब पंजाब भारी बारिश और बाढ़ के बाद की स्थिति से जूझ रहा है, जिससे कई जिलों में व्यापक क्षति और विस्थापन हुआ है।

एक्स पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने कहा कि पंजाब देश पर आए किसी भी संकट का सामना करने के लिए हमेशा डटकर खड़ा रहा है। आज, पंजाब खुद संकट में है। मैं अपने सभी देशवासियों से इस कठिन समय में पंजाब के लोगों की हर संभव मदद करने की अपील करता हूँ। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी सांसद और विधायक पंजाब के मुख्यमंत्री राहत कोष में एक महीने का वेतन दान कर रहे हैं। आइए हम सब मिलकर पंजाब को इस भयानक त्रासदी से उबरने में मदद करें।

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री एस हरदीप सिंह मुंडियन के अनुसार, बाढ़ ने 12 जिलों में 2.56 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, हजारों लोगों को विस्थापित किया है और मानव जीवन, संपत्ति, कृषि और पशुधन को भारी नुकसान हुआ है। तत्काल राहत प्रदान करने के लिए, राज्य सरकार ने 129 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 7,144 लोग शरण लिए हुए हैं। फिरोजपुर में सबसे अधिक 3,987 लोग हैं, उसके बाद फाजिल्का (1,201), होशियारपुर (478), पठानकोट (411) और गुरदासपुर (424) हैं। अब तक कुल 1,044 गाँव प्रभावित हुए हैं, जिनमें गुरदासपुर में सबसे अधिक 321, उसके बाद कपूरथला (115), होशियारपुर (94), अमृतसर (88) और पठानकोट (82) हैं।

गुरदासपुर सबसे अधिक प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां लगभग 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य गंभीर रूप से प्रभावित जिलों में अमृतसर (35,000), फिरोजपुर (24,015) और फाजिल्का (21,562) शामिल हैं। राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए, राज्य ने कई एजेंसियों को तैनात किया है। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए, कई एजेंसियों को जुटाया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने 20 टीमों को तैनात किया है, जबकि सेना, नौसेना और वायु सेना ने 10 कॉलम तैनात किए हैं, जिनमें से आठ स्टैंडबाय पर हैं, साथ ही उनके संबंधित इंजीनियर इकाइयां भी हैं। 35 से अधिक हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में लगे हुए हैं, जिन्हें 114 नावों और एक राज्य हेलीकॉप्टर का समर्थन प्राप्त है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भी प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

नीतीश कैबिनेट का ऐतिहासिक फैसला

महिलाओं-युवाओं संग कर्मचारियों को भी मिली बंपर राहत

पटना। राज्य मंत्रिमंडल ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत जीविका से जुड़ी महिलाओं को दस-दस हजार रुपये की राशि उनके बैंक खातों में उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण विकास विभाग की मांग पर 20 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर राज्य मंत्रिमंडल ने अपनी मुहर लगा दी है। साथ ही, राज्य में सात नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 3233 नए पदों के सृजन को भी मंत्रिमंडल की हरी झंडी मिल गई है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 48 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है। मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विगत स्वंत्रता दिवस के मौके की गई घोषणा के अनुसार राज्य में सात नए मडिकल कॉलेजों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की बात कही थी। ये सात नए मेडिकल कॉलेज बिहार के किशनगंज, कटिहार, रोहतास, शिवहर, लखीसराय, अरवल और शेखपुरा जिलों में स्थापित

किये जाएंगे। इतना ही नहीं, राज्य मंत्रिमंडल ने विभिन्न खेलों से जुड़े श्रेष्ठ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्यस्तर पर उनके प्रदर्शन और उपलब्धियों के आधार पर वेतनमान और पदों पर नियुक्ति के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके अलावा सरकार ने युवाओं, महिलाओं, वृद्धों के साथ-साथ राज्य के सरकारी कर्मचारियों के हित में कई अन्य फैसले लिए हैं।

मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के सम्बंध में जानकारी देते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि राज्य में बड़े पैमाने पर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास विभाग को कुल 20 हजार करोड़ रूपये की राशि आकस्मिक निधि से उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी स्वीकृति से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता के रूप में राज्य के सभी परिवारों की एक महिला को अपनी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए शुरुआत में दस हजार रूपये की राशि दी जा रही है। इसके बाद इन महिलाओं के रोजगार का आकलन करने के बाद उन्हें दो लाख रूपये तक की राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

कुल 3233 नए पदों का सृजन

श्री चौधरी ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों में कुल 3233 नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत नवस्वीकृत 40 आवासीय विद्यालयों में जमा-दो तक के नए शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कुल 1800 पदों के सृजन को अपनी मंजूरी दी गई है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जमा-दो अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक पदों यथा प्रधानाध्यापक के 40, विद्यालय अध्यापक (कक्षा 11-12) के 760, कक्षा 6 से 10 तक के अध्यापक के 360, कक्षा 1-5 के लिए कुल 280 और गैर शैक्षणिक कुल 360 पदों अर्थात कुल 1800 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है।

राज्यपाल आर्लेकर ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख, कुलपति चयन प्रक्रिया से सीएम को बाहर रखने की मांग

नई दिल्ली। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। उन्होंने याचिका दाखिल कर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और केरल डिजिटल विश्वविद्यालय के कुलपतियों की चयन प्रक्रिया से बाहर रखने की मांग की। राज्यपाल ने कहा कि दोनों ही विश्वविद्यालयों की चयन प्रक्रिया में मुख्यमंत्री की कोई भूमिका नहीं है। राज्यपाल इन दोनों सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं।

याचिका में दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति की पूरी चयन प्रक्रिया में मुख्यमंत्री की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। साथ ही 'पश्चिम बंगाल राज्य बनाम डॉ. सनत कुमार घोष एवं अन्य' मामले का हवाला दिया गया, जिसके निर्देश वर्तमान मामले में लागू किए गए थे। याचिका में कहा गया है कि कलकत्ता विश्वविद्यालय अधिनियम, 1979 की धारा 8 (1) में प्रावधान है कि चयन प्रक्रिया में राज्य के मंत्री की भूमिका होगी।

चयन प्रक्रिया में मंत्री-सरकार को शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं

राज्यपाल ने कहा, चूंकि मंत्री पश्चिम बंगाल राज्य में कुलपतियों की नियुक्ति की चयन प्रक्रिया का हिस्सा हैं, इसलिए न्यायालय ने मुख्यमंत्री को भी इस प्रक्रिया का हिस्सा बनाया है। हालांकि, न्यायालय ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय अधिनियमों- एपी जे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम और केरल डिजिटल विश्वविद्यालय अधिनियम में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए अनुशंसा हेतु चयन प्रक्रिया में उच्च शिक्षा मंत्री या राज्य सरकार को शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं है।

याचिका में मांग की गई है कि आवेदन में 18 अगस्त के आदेश में उल्लिखित कुलपतियों के चयन में मुख्यमंत्री की भूमिका को इस न्यायालय द्वारा संशोधित किया जा सकता है।

पूर्व ण्श केसीआर और उनके मंत्री को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 7 अक्तूबर तक कार्रवाई पर रोक

हैदराबाद। तेलंगाना हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को राहत दी है। अदालत ने निर्देश दिया है कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना से जुड़ी न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सात अक्तूबर तक दोनों के खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह आदेश आयोग की रिपोर्ट और उस पर उठे विवाद के बीच दिया गया।

यह मामला तब शुरू हुआ जब सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश पी.सी. घोष की अध्यक्षता वाले आयोग ने 31 जुलाई को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इसमें कालेश्वरम परियोजना के निर्माण और अन्य पहलुओं में अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया और केसीआर को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया। साथ ही उस समय के सिंचाई मंत्री रहे हरीश राव पर भी सवाल उठाए गए।

हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

रिपोर्ट के खिलाफ केसीआर और हरीश राव ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने रिपोर्ट को चुनौती देते हुए अंतरिम याचिका दायर की और सरकार को किसी भी तरह की कार्रवाई करने से रोकने की मांग की। हाईकोर्ट

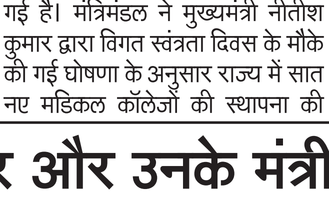

ने इस पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगली तारीख यानि सात अक्तूबर तक रिपोर्ट के आधार पर कोई प्रतिकूल कदम नहीं उठाया जाएगा।

सरकार की दलील और सीबीआई जांच

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता सुदर्शन रेड्डी ने अदालत को बताया कि फिलहाल आयोग की रिपोर्ट पर कोई एक्शन टेकन रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं की गई है। लेकिन सरकार को इसे पेश करना बाध्यकारी है। सरकार ने राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (ऊ्र्रऐ) और अन्य रिपोर्टों के आधार पर मामले को सीबीआई को सौंप दिया है।

विधानसभा में सीएम का बयान

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में चर्चा के बाद घोषणा की कि कालेश्वरम परियोजना की जांच सीबीआई को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह उचित कदम है क्योंकि परियोजना में अंतरराज्यीय मुद्दे और विभिन्न केंद्रीय व राज्य एजेंसियों की भूमिका रही है। अब मामला अदालत और सीबीआई जांच दोनों के घेरे में है।

कालेश्वरम परियोजना को लेकर विवाद अब न्यायिक आयोग, अदालत और सीबीआई जांच तक पहुंच गया है। हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश केसीआर और हरीश राव के लिए फिलहाल राहत लेकर आया है, लेकिन सात अक्तूबर के बाद मामला किस दिशा में बढ़ेगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

तमिलनाडु में हिंसक हुआ प्रवासी मजदूरों का विरोध प्रदर्शन, शिकायत सुनने पहुंची पुलिस पर किया पथराव

चेन्नई। एक निर्माणाधीन इमारत से गिरकर सहकर्मी की मौत के बाद न्याय की मांग को लेकर चेन्नई के उत्तरी उपनगर कट्टुपल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रवासी मजदूर मंगलवार को हिंसक हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि जब पुलिस उनकी शिकायत सुनने पहुंची, तो मजदूरों ने अचानक पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में मजदूर विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए थे। उन्होंने बताया कि पहले मजदूर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन जब पुलिस टीम उनकी शिकायतों का समाधान करने के लिए पहुंची, तो उन्होंने अचानक पथराव शुरू कर दिया। अधिकारी ने बताया कि उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल जुटाया गया और हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को नियंत्रित किया गया।

55 से ज्यादा मजदूरों से पूछताछ कर रही पुलिस

बाद में, पुलिस ने छात्रावास पर छापा मारा और मजदूरों के साथ विरोध प्रदर्शन के लिए छत पर जमा हुए लोगों को भी हिरासत में लिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस हिंसक हमले में शामिल 55 से ज्यादा मजदूरों से पूछताछ कर रही है।

एक सितंबर को हुई थी अमरेश प्रसाद की मौत

पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के प्रवासी मजदूर अमरेश प्रसाद (32) की एक सितंबर को तिरुवल्लूर जिले के कट्टुपल्ली में एक निर्माणाधीन इमारत से गिरकर मौत हो गई थी। प्रवासी मजदूर सहकर्मी की मौत के बाद उसके परिजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

महाराष्ट्र सरकार ने कुनबी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया की आसान, ऐसे कर सकते हैं आवेदन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार ने आजाद मैदान में मनोज जरांगे पाटी के अनिश्चितकालीन अनशन के बाद मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी, कुनबी-मराठा या मराठा-कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक बड़े फैसले की घोषणा की है।
यह कदम न्यायमूर्ति संदीप शिंदे (सेवानिवृत्त) समिति की सिफारिशों के बाद उठाया गया है, जिसे हैदराबाद, सतारा और बॉम्बे राजपत्रों का अध्ययन करने का काम सौंपा गया था। मराठवाड़ा क्षेत्र में मराठा और कुनबी समुदायों के बीच ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों के कारण, मराठों के लिए जाति-आधारित आरक्षण की मांग दशकों से चली आ रही है। पिछले दो वर्षों में, शिंदे समिति ने मराठवाड़ा के सभी आठ जिलों का दौरा किया है और कुनबी समुदाय से संबंधित हजारों दस्तावेज़ खोजे हैं। इसने हैदराबाद और दिल्ली के अभिलेखागारों से भी अभिलेख

एकत्र किए हैं।
नया मराठा आरक्षण आदेश क्या कहता है सरकार ने दावों की पुष्टि करने और सक्षम प्राधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए ग्राम स्तर पर स्थानीय समितियाँ बनाने का निर्णय लिया है।
प्रत्येक ग्राम-स्तरीय समिति में शामिल होंगेः
ग्राम राजस्व अधिकारी
ग्राम पंचायत अधिकारी
सहायक कृषि अधिकारी
कुनबी जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कैसे करें
मराठा समुदाय के जिन सदस्यों के पास भूमि स्वामित्व संबंधी रिकॉर्ड नहीं हैं, वे एक हलफनामा प्रस्तुत कर सकते हैं जिसमें पुष्टि की गई हो कि वे या उनके पूर्वज 13 अक्टूबर 1967 से पहले उस क्षेत्र में निवास करते थे।
यदि गाँव या विस्तारित परिवार में किसी रिश्तेदार के पास पहले से ही कुनबी जाति प्रमाण पत्र है, तो आवेदक संबंध स्थापित करने वाला एक हलफनामा प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद समिति वंशावली का सत्यापन करेगी और एक रिपोर्ट तैयार करेगी।
समिति के निष्कर्षों के आधार पर, सक्षम प्राधिकारी यह निर्णय लेगा कि कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाए या नहीं।

पश्चिम रेलवे वटवा और रक्सौल के बीच चलाएगी त्योहार स्पेशल ट्रेन

ट्रेन संख्या 05560/05559 उधना-रक्सौल के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से वटवा और रक्सौल के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, उधना एवं रक्सौल के बीच विशेष किराए पर चलने वाली इस स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया आगे बढ़ाया गया है।
पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः
ट्रेन संख्या 05562/05561 वटवा - रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल (32 फेरे)
ट्रेन संख्या 05562 वटवा - रक्सौल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 23:30 बजे वटवा से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन शुक्रवार को 16:00 बजे रक्सौल पहुँचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05561 रक्सौल - वटवा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को रक्सौल से 11:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:00 बजे वटवा पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 सितंबर से 30 दिसंबर 2025 तक चलेगी।
यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और सीतामढी स्टेशनों पर रुकेगी।
इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।
ट्रेन संख्या 05560/05559 उधना-रक्सौल साप्ताहिक स्पेशल के फेरे विस्तारित (26 फेरे)
ट्रेन संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल को 05 अक्टूबर से 28 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल को 04 अक्टूबर से 27 दिसंबर, 2025 तक मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।
ट्रेन संख्या 05562 की बुकिंग एवं ट्रेन संख्या 05560 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 03 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रजनीश कुमार गोयल ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर का कार्यभार ग्रहण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रजनीश कुमार गोयल भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले आप मध्य रेल में मुख्य विद्युत सेवा इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।
गोयल अत्यधिक कुशल हैं तथा आपको भारतीय रेल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। भारतीय रेल में ओपन एक्सेस के अग्रदूत के रूप में आपने इसके कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 10 वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।गोयल ने मध्य रेल के मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का महत्वपूर्ण दायित्व संभाला है, जो भारतीय रेल के सबसे बड़े और व्यस्ततम मंडलों में से एक है। मध्य रेल के मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान

आपको प्लेटफॉर्मों पर भीड़भाड़ कम करने, पटरियों पर दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अग्रणी कार्य करने और पटरियों पर पानी भर जाने के बावजूद उपनगरीय ट्रेन परिचालन को संभव बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवपरिवर्तनों के लिए याद किया जाता है।
आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक (ऑनर्स) पूरा किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से आपने 'पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीन और ड्राइव्स' में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है।

बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद लोकशक्ति एक्सप्रेस का सफाले स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई(संवाददाता)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 22927/22928 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद लोकशक्ति एक्सप्रेस का 04 सितंबर, 2025 से सफाले स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।
पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार हैः बांद्रा टर्मिनस से 04 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22927 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद लोकशक्ति एक्सप्रेस सफाले स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:07 बजे सफाले स्टेशन पहुँचेगी और 21:09 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, अहमदाबाद से 04 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22928 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस लोकशक्ति सफाले स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 03:47 बजे सफाले स्टेशन पहुँचेगी और 03:49 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ़ इंडिया तथा रूसी संचार परामर्श संघ के सहयोग से भारत-रूस जनसंपर्क और मीडिया सम्मेलन का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी ने हाल ही में रूसी संचार परामर्श संघ के सहयोग से भारत-रूस जनसंपर्क और मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और रूस के बीच पेशेवर बंधनों को मजबूत करना, ज्ञान साझा करना, कौशल विकास और जनसंपर्क में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना था।
मुख्य आकर्षणः
द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करनाङः PRSI के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने इस सहयोग के महत्व पर जोर दिया, जिसमें भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के दर्शन का उल्लेख किया गया, जिसका अर्थ है कि पूरा विश्व एक परिवार है।
जनसंपर्क की भूमिकाः विशेषज्ञों ने राष्ट्रों, सामाजिक संस्थानों और समुदायों के बीच रचनात्मक संबंध बनाने में प्रभावी पेशेवर संचार के महत्व पर चर्चा की।
ब्रांड कूटनीतिः आंद्रे बराननिकोव ने भारत-रूस साझेदारी में जनसंपर्क की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग की संभावना पर प्रकाश डाला गया।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः मिखाइल

मासलोव ने उल्लेख किया कि AI जनसंपर्क में वैश्विक स्तर पर सोचने, कार्य करने और सहयोग करने के तरीके को बदल देगा, न कि मानव रचनात्मकता को प्रतिस्थापित करेगा।
गलत सूचना का मुकाबलाङः प्रो. तनु डंग ने AI के युग में स्मार्ट PR के महत्व पर जोर दिया, जिसमें कहानी कहने और सांस्कृतिक राजदूतों की आवश्यकता पर बल दिया गया।
सम्मेलन के परिणामः
सहमति पत्रङः PRSI और AKOC ने जनसंपर्क में ज्ञान साझा करने, कौशल विकास और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक श्दळ पर हस्ताक्षर किए।
पेशेवर विकासङः सम्मेलन ने पेशेवरों को रणनीतिक संचार में अंतर्दृष्टि, सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।
सांस्कृतिक आदान-प्रदानः इस कार्यक्रम ने भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक और भावनात्मक बंधनों को बढ़ावा दिया, जिसमें लोगों से लोगों की कूटनीति के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
आयोजकः
भारतीय जनसंपर्क सोसाइटीः भारत के जनसंपर्क और संचार पेशेवरों के लिए 66 वर्ष पुरानी शीर्ष संगठन।
एसोसिएशन ऑफ पब्लिक रिलेशन कंसल्टेंट कंपनियांः रूस में संचार और जनसंपर्क को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक विशेषज्ञ मंच।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल के 2 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्मवीर मीणा ने 02.09.2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित एक समारोह में सोलापुर मंडल के 2 मध्य रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया।
ये संरक्षा पुरस्कार संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन संचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किए गए। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशंसा प्रमाण पत्र, अनुकरणीय सुरक्षा कार्य के लिए एक प्रशस्ति पत्र और 2000/- का नकद पुरस्कार शामिल है।
पुरस्कार विजेताओं का विवरण
1. मनीष कुमार, तकनीशियन (टीआरडी), कुर्डूवाडी, सोलापुर मंडल ने 06.07.2025 को फुटप्लेट निरीक्षण

के दौरान बोरीबेल-मलठन स्टेशन के बीच किलोमीटर 280/10-12 पर एक टूटा हुआ ओएचई 'जी जम्पर' देखा। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया। उनकी सतर्कता के कारण एक संभावित दुर्घटना टल गई।
2. विकास कुमार पंडित, तकनीशियन (टीआरडी), लातूर, सोलापुर मंडल ने 22.07.2025 को हरंगुल यार्ड में निरीक्षण के दौरान मालगाड़ी के पेंटोग्राफ में असामान्य हलचल देखी। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया। निरीक्षण करने पर, पेंटोग्राफ पट्टी में एक गहरा गड्ढा पाया गया। उनकी सतर्कता के कारण एक संभावित दुर्घटना टल गई।
महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी सतर्कता और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सतर्कता और बहादुरी के ऐसे कार्य दूसरों को यात्रियों की संरक्षा के लिए ईमानदारी से काम करने और जान-माल और रेल संपत्ति की हानि को रोकने के लिए प्रेरित करेंगे।
इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी चंद्र किशोर प्रसाद, अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष और मध्य रेल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस-अजमेर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और अजमेर के बीच विशेष किराये पर चल रही स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।
पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः
ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस - अजमेर (साप्ताहिक) स्पेशल (18 फेरे)
ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 09:35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 08:50 बजे अजमेर पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 06 अक्टूबर से 1 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा

टर्मिनस स्पेशल ट्रेन प्रत्येक रविवार को अजमेर से 06:35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 04:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचती है। इस ट्रेन के फेरों को 05 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।
यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, विक्रमगढ़ आलोट, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।
इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास के डिब्बे हैं।
ट्रेन संख्या 09622 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 04 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

राशन वितरण अधिकारी 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

राशनिंग उपनियंत्रिक अधिकारी सचिन बलिराम आत्राम रिश्वत लेते हुई गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राशन वितरण उप-नियंत्रक कार्यालय के एक निरीक्षण अधिकारी को कांदिवली के एक राशन वितरण दुकानदार से 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी सचिन बलिराम आत्राम है, और वे सी-ज़ोन राशन वितरण कांदिवली कार्यालय में कार्यरत हैं। इस मामले में शिकायतकर्ता कांदिवली की एक राशन वितरण दुकान में प्रबंधक के रूप में काम करता है। शिकायतकर्ता की दुकान पर राशन का चावल उतारने के लिए एक ट्रक आया था। जब उस ट्रक से माल उतारा जा रहा था, तब अधिकारी सचिन आत्राम आए और कहा कि वे उप नियंत्रक राशन वितरण सी-ज़ोन की मोबाइल टीम के निरीक्षण अधिकारी हैं और पूछा कि जब राशन वितरण निरीक्षक मौजूद नहीं थे तो वाहन का जीपीएस बंद क्यों था और माल क्यों उतारा गया। उसके बाद, शिकायतकर्ता और वाहन के चालक से पूछताछ की गई और उनके जवाब दर्ज किए गए। उस समय, उन्होंने शिकायतकर्ता से यह कहकर रिश्वत की मांग की कि उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जा सकता है और अगर वह मामला दर्ज नहीं करना चाहते हैं, तो उन्हें मुझे और उप नियंत्रक राशनिंग को 20,000 रुपये देने होंगे। हालाँकि, चूंकि शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने 25 अगस्त को भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, मुंबई में शिकायत दर्ज कराई। इस बीच, इस शिकायत के संबंध में, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने मजिस्ट्रेट के सामने एक सत्यापन किया और पाया कि अधिकारी ने रिश्वत मांगने के बाद उसे स्वीकार करने पर सहमति व्यक्त की थी। तदनुसार, अधिकारी को शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।
इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के पर्यवेक्षण अधिकारी और पुलिस निरीक्षक नितिन थोरात ने की। सहायक पुलिस निरीक्षक हरिदास किल्लेदार अपराध जांच अधिकारी के रूप में इस मामले की जांच कर रहे हैं
यह कार्रवाई अपर पुलिस आयुक्त संदीप दिवान , अपर पुलिस उपायुक्त अनिल घेरड़ीकर, अपर पुलिस उपायुक्त राजेंद्र सांगले ने मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक नितिन थोराट, सहायक पुलिस निरीक्षक हरिदास किल्लेदार ने किया है

पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस ⇄ अजमेर के बीच विशेष ट्रेन के फेरे बढ़ाए

ट्रेन नं0	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	चलने का दिन	तक विस्तारित
09622	बांद्रा टर्मिनस - अजमेर (साप्ताहिक)	सोमवार	01.12.2025
09621	अजमेर - बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक)	रविवार	30.11.2025

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09622 की विस्तारित ट्रिप की बुकिंग 04.09.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: WCR-CRWS-TOILET-UPG-25-32

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:** अप–ग्रेडेसन ऑफ टॉइलेट इन एलएचबी एसी एंड एलएचबी नॉन–एसी कोचेस एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल। **कार्य की लागत:** ₹ 44,21,58,610.40/– **निविदा फ़ॉर्म का मूल्य:** ₹ 0.00/– **धरोहर राशि:** ₹ 23,60,800/– **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह **ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय:** 08.09.2025/ 22.09.2025 को 16:00 बजे तक **निविदा खुलने की समय एवं दिनांक:** 22.09.2025, 16.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारख़ाना प्रबन्धक, सडिपुका, भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

(हस्ता.)
मुख्य कारख़ाना प्रबंधक, सडिपुका, निशातपुरा, प.म.रे.,भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नागपुर को एक शहर के रूप में नई पहचान- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मेट्रो ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया नाम, कामठी रोड पर डबल डेकर फ्लाईओवर दर्ज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। महामेट्रो द्वारा अल्प समय में विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे के विकास के कारण नागपुर शहर को वैश्विक पहचान मिली है। महामेट्रो ने कामठी रोड पर सबसे लंबा 'डबल डेकर' पुल बनाया है और इस पुल को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस विश्वस्तरीय पुरस्कार ने नागपुर को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढाँचे वाले शहर के रूप में एक नई पहचान दी है। उन्होंने इस वैश्विक पुरस्कार के लिए महामेट्रो के अधिकारियों को बधाई दी।

रामगिरी में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की विशेष उपस्थिति में, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के भारत के प्रतिनिधि स्वप्निल डोंगरीकर ने महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्डिकर को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कामठी रोड पर डबल डेकर वायाडक्ट (मेट्रो) दुनिया का सबसे बड़ा डबल डेकर वायाडक्ट है। मेट्रो और हाईवे यातायात के लिए यह 5.637 किलोमीटर लंबा सिंगल कॉलम वायाडक्ट है और स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। तकनीक का उपयोग करके निर्मित इस फ्लाईओवर को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड

रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। इससे पहले, छत्रपति नगर में 3.2 किलोमीटर लंबे डबल डक्ट फ्लाईओवर के निर्माण को वैश्विक स्तर पर दर्ज किया गया था। इस निर्माण के साथ, नागपुर को ऑरेंज सिटी के साथ-साथ बुनियादी ढाँचे के शहर के रूप में एक नई पहचान मिली है। इस पुरस्कार ने नागपुर के गौरव को वैश्विक स्तर पर पहुँचाया है। इस डबल डेकर पुल के निर्माण के साथ, दुनिया में पहली बार कामठी रोड पर रेलवे, हाईवे और मेट्रो यातायात के लिए ऐसा फ्लाईओवर बनाया गया है। यह विश्व इंजीनियरिंग का एक चमत्कार है। इस पुल के लिए 1,650 टन स्टील का उपयोग किया गया है।

दुनिया का पहला और सबसे लंबा डबल डेकर वायाडक्ट सभी देशों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। वास्तविक निर्माण के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए इंजीनियरिंग और वास्तुकला के विशेषज्ञ साइट का दौरा कर रहे हैं। महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्डिकर ने कहा कि महामेट्रो और नागपुर ऐसे डबल-डेकर पुलों के निर्माण में अग्रणी हैं।

शुरुआत में, महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्डिकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इसके बाद, इस अवसर पर महामेट्रो द्वारा निर्मित भारत के सबसे लंबे डबल-डेकर मेट्रो वायडक्ट के निर्माण से संबंधित एक वीडियो क्लिप दिखाई गई। इस फ्लाईओवर पर अद्वितीय तकनीक का उपयोग करके पाँच मेट्रो स्टेशन, गड्डीगोदाम, कड़बी चौक, इंदौरा चौक, नारी रोड और ऑटोमोटिव चौक, बनाए गए हैं। यह फ्लाईओवर चार लेन का है और इसके पहले तल पर एक हाईवे, दूसरे तल पर एक मेट्रो और भूतल पर एक मौजूदा हाईवे है। इस फ्लाईओवर ने कामठी रोड पर लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से नागरिकों को राहत दी है। इससे पहले, छत्रपति चौक सहित इस फ्लाईओवर को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया जा चुका है।

इस अवसर पर महामेट्रो के निदेशक अनिल कुमार कोकाटे, परियोजना निदेशक राजीव त्यागी, कार्यकारी निदेशक नरेश गुरबानी, महाप्रबंधक यतिन राठौड़, मुख्य परियोजना प्रबंधक एनवीपी विद्यासागर, परियोजना निदेशक प्रकाश मुदलियार और अन्य अधिकारी तथा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हम जीत गए... मनोज जरांगे का बड़ा ऐलान

सरकार ने मांगे मान ली, खत्म होगा अनशन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारंगे ने मंगलवार को घोषणा की कि समुदाय के लंबे समय से चल रहे आंदोलन को सफलता मिली है, उन्होंने मुंबई में हजारों समर्थकों से कहा कि हम जीत गए हैं। उनकी यह टिप्पणी महाराष्ट्र के मंत्रियों की मौजूदगी में आई, क्योंकि राज्य सरकार ने प्रमुख मांगों पर कार्रवाई के लिए अपनी तत्परता का संकेत दिया था। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जीआर जारी करती है, तो हम आज रात 9 बजे तक मुंबई से निकल जाएँगे। इससे पहले दिन में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने जारंगे और उनके समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें अपराह्न तीन बजे तक दक्षिण मुंबई स्थित आजाद मैदान खाली करने का निर्देश दिया था, अन्यथा कड़ी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा था।

मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप समिति के प्रमुख और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे से मुलाकात करेंगे। महाराष्ट्र के तीन मंत्री आजाद मैदान पहुंचे, मराठा आरक्षण पर मनोज जरांगे के साथ बातचीत शुरू की। जरांगे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ

दर्ज मामले वापस लेने का वादा किया है। मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार को मराठा समुदाय को कुनबी का एक हिस्सा बताने वाला सरकारी आदेश (जीआर) जारी करने के लिए दो महीने का 'अल्टीमेटम' दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने अगर मराठा आरक्षण की मांग को लेकर सरकारी आदेश जारी कर दिया तो आज रात नौ बजे तक मुंबई से रवाना हो जाऊंगा।

मनोज जरांगे ने मंत्रियों की उपस्थिति में अपने समर्थकों से कहा कि ''हम जीत गए हैं। मनोज जरांगे ने कहा कि हम लोगों को मुंबई के रास्ते समझते नहीं हैं। आप लोगों ने गाड़ियों पर 5 हजार के दंड लगाए हैं उसे वापस लीजिए. सरकार ने बात मानी. जरांगे ने कहा कि हम यहां से जश्न मनाकर ही जाएंगे. जश्न मनाना मतलब हुल्लड़बाजी नहीं है। जीआर (सरकारी आदेश) लेकर आइए तुरंत हम आंदोलन खत्म कर गुलाल उड़ाएंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री जी को जगह दीजिए ताकि जाकर जीआर लेकर आएं।

गणेशोत्सवः राज्य उत्सव के अंतर्गत प्रतियोगिता और पोर्टल को मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया

सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने अधिकाधिक भागीदारी की अपील की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में मनाए जाने वाले गणेशोत्सव को 2025 से राज्य उत्सव का दर्जा दिया गया है। इस राज्य उत्सव के अंतर्गत आयोजित 'महाराष्ट्र राज्य उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल प्रतियोगिता' का इस वर्ष से तालुका स्तर तक विस्तार किया गया है। इसलिए, इस वर्ष ज़िला और राज्य स्तर के साथ-साथ तालुका स्तर के पुरस्कार भी दिए जाएँगे। पूरे महाराष्ट्र से 404 मंडलों ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है और भाग लेने वाले तालुकाओं में प्रतियोगिता का मूल्यांकन चल रहा है।

घरेलू और सार्वजनिक गणपति बप्पा की तस्वीरें अपलोड करने के लिए एक अलग पोर्टल, जो राज्योत्सव की एक महत्वपूर्ण विशेषता बन गया है, लोगों और मंडलों के लिए भी एक विशेष आकर्षण बन गया है। इस पोर्टल के माध्यम से, बड़ी संख्या में भक्त सभी गणेश भक्तों के दर्शन के लिए अपने गणपति बप्पा की तस्वीरें अपलोड कर रहे हैं। अब तक 200 से ज़्यादा लोगों और 70 से ज़्यादा सार्वजनिक मंडलों ने इस पोर्टल के ज़रिए अपने घरेलू और सार्वजनिक मंडलों की तस्वीरें अपलोड की हैं। इससे सभी गणेश भक्तों के लिए अपने घर बैठे ही घरेलू बप्पा और सार्वजनिक मंडलों के दर्शन करना संभव हो गया है।

दुनिया भर के गणेश भक्तों को महाराष्ट्र के प्रसिद्ध गणपति मंदिरों और प्रसिद्ध सार्वजनिक मंडलों के सीधे दर्शन एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए शुरू किए गए पोर्टल को भी गणेश भक्तों का ज़बरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है। इस पोर्टल की वजह से मुख्य रूप से मुंबई के लालबागचा राजा, मुंबईचा राजा, खेतवाड़ीचा गणराज, पुणे के दगडूशेठ हलवाई, प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर के सिद्धिविनायक दर्शन, अष्टविनायक और टिटवाला गणेश भक्तों के दर्शन एक ही क्लिक पर उपलब्ध हो गए हैं। इन दोनों पोर्टलों की वजह से दुनिया भर के गणेश भक्त विभिन्न ज़िलों और शहरों से घर बैठे ही गणेश जी के बेहद आसान दर्शन कर पा रहे हैं।

राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट शेलार ने इस जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए भक्तों को धन्यवाद दिया और अन्य लोगों से अपील की कि वे अपनी तस्वीरें तुरंत पोर्टल ganeshotsav.pldmak.co.in पर भेजकर इस राज्य उत्सव में भाग लें।

नवी मुंबई पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए संविधान परिचय कार्यशाला संपन्न

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गणेशोत्सव से पहले, नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हाल ही में ऐरोली स्थित नवी मुंबई नगर निगम के भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक पर बड़े उत्साह के साथ 'संविधान परिचय कार्यशाला' का आयोजन किया गया।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, देश भर में 'संविधान अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। इस अमृत महोत्सव के अनुरूप, नवी मुंबई नगर निगम, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में, नवी मुंबई को संवैधानिक रूप से साक्षर बनाने के लिए 'घर-घर संविधान' अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन कर रहा है।

इसके अंतर्गत, नगर निगम के

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अंचल और विभागवार संविधान परिचय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। अगले चरण में, पुलिस आयुक्त श्री मिलिंद भारम्बे के अनुमोदनानुसार, नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों के पुलिस कर्मियों और अधिकारियों के लिए संविधान परिचय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस अवसर पर पूर्व चुनाव आयुक्त श्री जे.एस. सहारिया ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान के मूल्यों, नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों तथा कानून के क्रियान्वयन में पुलिस बल की भूमिका पर गहन जानकारी प्रदान करते हुए संविधान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस शिविर से पहले, नवी मुंबई मनपा क्षेत्र के बेलापुर से दीघा तक के लगभग 800 महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों को खंडवार संविधान परिचय कार्यशालाओं का आयोजन करके संवैधानिक रूप से साक्षर बनाया गया। समाज के विभिन्न वर्गों तक संविधान के महत्व और जानकारी पहुँचाकर नवी मुंबई को एक संवैधानिक रूप से साक्षर शहर बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए विभिन्न स्थानों पर ये कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं।

झूलेलाल प्रौद्योगिकी संस्थान की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात

नागपुर। गोधनी स्थित झूलेलाल प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा श्री गणेश उत्सव का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज इस संस्थान का दौरा किया और श्री गणेश की पूजा-अर्चना की तथा आरती में भाग लिया।

इस अवसर पर विधायक परिणय फुके, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान, संस्था के अध्यक्ष महेश साधवानी, वीरेंद्र कुकरेजा, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के प्रमुख शैलेश जोगलेकर, जिला कलेक्टर डॉ. विपिन इटनकर, साथ ही घनश्यामजी कुकरेला, जयप्रकाश गुप्ता, गिरीश साधवानी, असरानी, ??संस्था के प्राचार्य डॉ. विवेक नानोती, उपाध्यक्ष एस.ई. चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्री गणेश उत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छात्रों से बातचीत की। संस्था के प्रधान महेश साधवानी ने उनका स्वागत किया तथा संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी।

गोवा सरकार को झटका, उच्च न्यायालय ने रद्द किया मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया में लागू खेल कोटा

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के बाद खेल कोटा लागू करने के गोवा सरकार के फैसले को खारिज कर दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा है कि यह प्रवेश विवरणिका में दिए गए नियमों के खिलाफ है। जस्टिस भारती एच. डांगरे और जस्टिस निवेदिता पी. मेहता की खंडपीठ ने एक नीट अभ्यर्थी द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें तकनीकी शिक्षा निदेशालय (डीटीई) द्वारा 1 अगस्त को जारी एक नोटिस को चुनौती दी गई थी, जिसमें खिलाड़ियों को स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों (सीएफएफ) श्रेणी के तहत खाली सीटों के लिए आवेदन करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

अदालत ने कहा- यह खेल शुरू होने के बाद नियम बदलने जैसा

25 अगस्त के दिए गए इस आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई। पीठ ने कहा कि 2025-26 के लिए सामान्य प्रवेश विवरणिका 'कानूनी रूप से मान्य है और अधिकारियों और अभ्यर्थियों दोनों पर बाध्यकारी है।' अदालत ने कहा, 'प्रॉस्पेक्टस में संशोधन किए बिना या उसकी सूचना दिए बिना, काउंसलिंग शुरू होने के बाद नई श्रेणी के तहत आवेदन आमंत्रित करना, खेल शुरू होने के बाद

नियमों को बदलने जैसा है।'

याचिकाकर्ता ने दी ये दलीलें

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस.एस. कंटक ने तर्क दिया कि डीटीई ने 28 जुलाई को एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम प्रकाशित किया था और उसके अनुसार, काउंसलिंग का पहला दौर 1 अगस्त को होना था, लेकिन इसे 5 अगस्त के लिए शिफ्ट कर दिया गया। याचिकाकर्ता ने बताया कि 5 अगस्त को आयोजित एमबीबीएस/बीडीएस की काउंसलिंग के पहले दौर में भाग लिया था और पहले दौर के अंत में, 78वीं रैंक वाले उम्मीदवार ने सामान्य श्रेणी में एमबीबीएस में अंतिम सीट हासिल की, और 108वीं रैंक वाले उम्मीदवार ने सामान्य श्रेणी में बीडीएस में पहली सीट हासिल की।

याचिकाकर्ता से ऊपर रैंक वाले केवल दो उम्मीदवार थे, जिन्हें प्रवेश नहीं मिला, और इससे उन्हें उम्मीद जगी कि उन्हें सामान्य श्रेणी में एमबीबीएस या बीडीएस में सीट मिल सकती है। हालांकि, नए खेल कोटे के गठन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता देवीदास पंगम ने किया और उन्होंने सरकार की कार्यकारी शक्तियों और गोवा खेल नीति 2009 का हवाला देते हुए इस नीति का बचाव किया। गोवा फुटबॉल संघ और तलवारबाजी संघ सहित खेल निकायों ने भी कोटे के समर्थन में हस्तक्षेप किया और तर्क दिया कि कई राज्य पहले ही इसी तरह के उपाय अपना चुके हैं।

उच्च न्यायालय ने क्या कहा आदेश में

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, 'अगर खेल कोटा आरक्षण का उल्लेख पहले ही प्रॉस्पेक्टस में किया गया होता, तो हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करते क्योंकि यह राज्य प्राधिकरण का काम है कि वह तय करे कि आरक्षण किसके पक्ष में होगा, या किसी विशेष श्रेणी का उम्मीदवार उपलब्ध न होने पर सीट किस श्रेणी को दी जाएगी।' पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे उपायों को प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही शामिल किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा, 'मेरिट सूची के प्रकाशन के बाद और चल रही काउंसलिंग के दौरान कोटा लागू करने से प्रवेश प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गलत प्रभाव पड़ता है।'

ट्रेन से उतरते ही फिसला, बाल-बाल बचा, वीडियो देख निकल जाएगी चीख

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के रत्नागिरी रेलवे स्टेशन पर एक यात्री की जान बचाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के दो कांस्टेबलों और एक विक्रेता को पुरस्कार दिया गया है. यह घटना 30 अगस्त की बताई जा रही है. ट्रेन नंबर 01167 से उतरते समय एक यात्री अचानक फिसल जाता है और ट्रेन के नीचे आने ही वाला होता है वैसे ही लोग उसे बचाने की कोशिश करते हैं. हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है.

चलती ट्रेन से फिसला शख्स

बता दें कि मौके पर तुंरत दो कांस्टेबल और एक विक्रेता दौड़कर उस शख्स को बचाते हैं. वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि उस समय ट्रेन चल रही होती है और जरा सी जल्दी के कारण शख्स इस मुसीबत में फंस जाता है, लेकिन तीनों लोगों की और वहां मौजूद लोगों की मदद से शख्स को सुरक्षित निकाल लिया जाता है. बताया जा रहा है कि आरपीएसएफ के कांस्टेबल रणजीत सिंह और महेंद्र पाल और साथ ही प्लेटफॉर्म पर मौजूद विक्रेता वीर सिंह की तुरंत कार्रवाई के कारण शख्स को सुरक्षित बचाया गया.

5,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया

इस बहादुरी भरे काम के लिए रेलवे ने तीनों को 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की. अगर थोड़ी भी देर होती तो शख्स ट्रेन के नीचे आ जाता और उसकी जान किसी भी कीमत पर नहीं बच पाती, लेकिन इनकी त्वरित कार्रवाई के कारण शख्स को बचा लिया गया. वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों ने तीनों की जमकर तारीफ की, लेकिन साथ ही साथ रेलवे ने यह भी कहा कि इस तरह की लापरवाही करना बहुत ही खतरनाक है और लोगों से अपील की है कि ट्रेन से उतरने की जल्दबाजी न करें.

मराठा प्रदर्शनकारियों ने बस में तोड़फोड़ और यात्री पर किया हमला!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबईः महाराष्ट्र में मराठा प्रदर्शनकारियों के समूह ने जुहू बस स्टैंड पर नगर निगम संचालित बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) की बस में तोड़फोड़ करते हुए एक यात्री के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना रविवार शाम को उस समय हुई जब रूट संख्या 201 पर बेस्ट की एक वेट-लीज बस बिना किसी कर्मचारी के बस स्टॉप पर खड़ी थी। जहां प्रदर्शनकारियों और यात्रियों के बीच बहस हुई जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। अधिकारियों ने तुरंत पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल किया। लेकिन पुलिस जब तक घटनास्थल पर पहुंची, तब तक प्रदर्शनकारी और यात्री तितर-बितर हो चुके थे। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस घटना के लिए लोगों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। बेस्ट के अधिकारियों ने घटना पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

फल बेचने की आड़ में ड्रग्स तस्करी, 60 साल के बुजुर्ग के पास से 35 लाख की MD ड्रग्स बरामद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 9 ने मुंबई के बांद्रा इलाके में केले बेचने की आड़ में ठेले पर एमडी ड्रग्स बेचने के आरोप में एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है. इस आरोपी की पहचान 60 वर्ष के मोहम्मद अली अब्दुल गफ्फार शेख के रूप में हुई है और उसके पास से 35 लाख रुपये कीमत की 153 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई है.

इसके बाद मोहम्मद अली अब्दुल के खिलाफ ज्ञ्डइए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया, मोहम्मद को कोर्ट में पेश किया गया जहा कोर्ट ने 3 सितंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया

केले बेचने वाले के भेष में बेच रहा था एमडी ड्रग्स

मुंबई पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद अली मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास केले बेचने का धंधा करता था. क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि वह केले बेचने वाले के भेष में एमडी ड्रग्स बेच रहा है. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि उसे एमडी ड्रग्स किसने मुहैया कराई,वह इस धंधे में कितने समय से शामिल था, क्या उसके कोई साथी था और क्या उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है.

इस मामले में क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी, कि मोहम्मद केले बेचने के आड में ड्रग्स की तस्करी करता है,जिसके बाद क्राइम ब्रांच के अधिकारी सिविल ड्रेस में जाल बिछाकर इसपर निगरानी रखने लगे,देर रात मोहम्मद बांद्रा बस डिपो के पास महाराष्ट्रनगर रोड से गुजरते हुए देखा गया,उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया.

स्टील के डिब्बा में 153 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ

इसके बाद में उसके ठेले की जाँच करने पर पुलिस को एक स्टील का डिब्बा मिला जिसमें 153 ग्राम एमडी ड्रग्स भरा हुआ था,ज़ब्त की गई ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में 35.30 लाख रुपये है.

इसके साथ ही मोहम्मद ने बताया आर्थिक तंगी के चलते,उसने शुरू किया ड्रग्स का धंधा,बांद्रा इलाके में रहता था,कोई स्थायी नौकरी न होने के कारण वह केले बेचने का काम करता था. लेकिन कम कमाई के कारण उसने फल बेचने की आड़ में एमडी ड्रग्स बेचना शुरू कर दिया. इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

सम्पादकीय

चीन में भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक जीत, पाक को झटका

चीन के तियानजिन में संपन्न हुए शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन यानी एससीओ के घोषणापत्र में जिस तरह साफ शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात शामिल की गई, वह भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत को दर्शाता है। दरअसल, आतंकवाद के मुद्दे पर भारत लगातार कुछ ताकतवर देशों से अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग करता रहा है। मगर कुछ देशों की ओर से प्रत्यक्ष तौर पर आतंकवाद की आलोचना, तो प्रच्छन्न रूप से इसे शह देने वालों के प्रति नरमी इस मुद्दे की जटिलता को बढ़ाता ही है।

इसीलिए भारत ने हर मौके पर आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने और एकजुटता की अपील की। तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा हैष्ठ हमें साफ तौर पर और सर्वसम्मति से यह कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला न सिर्फ भारत पर था, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले देशों और लोगों के लिए एक खुली चुनौती थी।

जाहिर है, अब एससीओ के घोषणापत्र में जिस तरह सभी सदस्य देशों की ओर से पहलगाम में आतंकी हमले की निंदा की गई, वह भारत की चिंता को रेखांकित करती है। घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि ऐसे आतंकी हमलों के दोषियों और उनके मददगारों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। एक जरूरी पहलू के रूप में इसमें आतंकवादियों की घुसपैठ को खत्म करने का आह्वान किया गया। गौरतलब है कि पिछले एससीओ सम्मेलन में इस मुद्दे को घोषणापत्र में शामिल करने पर सहमति नहीं बनी थी।

मगर अब एससीओ के सदस्य देशों ने आतंकवाद की समस्या पर भारत के पक्ष में अपनी संवेदनशीलता दिखाई और इसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। मगर सवाल है कि भारत में आतंकवाद की समस्या के स्रोत के रूप में अगर पाकिस्तान अपनी आदत से बाज नहीं आता है और दूसरी ओर चीन इसकी अनदेखी करता है तो इसे कैसे देखा जाएगा।

यह छिपा तथ्य नहीं है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों को पालने-पोसने वाला कौन है। इसके बावजूद चीन कई स्तर पर पाकिस्तान की मदद करता रहा है और इसी वजह से कई बार भारत के लिए बेहद असुविधाजनक स्थिति पैदा हो जाती है। अब खुद चीन की धरती पर ही अगर एससीओ सम्मेलन के घोषणापत्र में पहलगाम हमले और आतंकवाद की निंदा की गई है, तो यह प्रकारांतर से पाकिस्तान और उसका बचाव करने वाले देशों को दिया गया एक साफ संदेश भी है।

तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन को राष्ट्राध्यक्षों के स्तर पर और घरेलू कूटनीतिक बैठकों में सबसे अहम आयोजनों में से एक माना जा रहा है। यों भी, एससीओ की शुरूआत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और आर्थिक सहयोग को मजबूती देने के मकसद से ही हुई थी। इस लिहाज से देखें तो निश्चित रूप से सम्मेलन में शामिल देशों के दस वर्ष के विकास की रणनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, आपसी संबंधों और सांस्कृतिक सहयोग के मुद्दे पर भी बहुस्तरीय सहमति बनी। मगर इसके घोषणापत्र में आतंकवाद के मुद्दे को जिस रूप में शामिल किया गया, उसे पाकिस्तान के लिए एक झटका, तो भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है।

मासूम मन पर आक्रामकता का असर, बच्चों के दिल और दिमाग पर स्थायी घाव छोड़ता है शारीरिक दंड

दुनिया में हर वर्ष करोड़ों बच्चों और किशोरों को किसी न किसी रूप में शारीरिक दंड झेलना पड़ता है। प्रायः इसे 'अनुशासन' या 'सुधार' का उपाय कह दिया जाता है, लेकिन सच यह है कि इस तरह के कृत्य बच्चों के लिए दर्द, अपमान और मानसिक आघात की वजह बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की एक हालिया रपट में कहा गया है कि बच्चों पर आक्रामक होना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इससे न तो बच्चों का व्यवहार सुधरता है और न ही उनका जीवन बेहतर बनता है।

उलटे, यह उनके व्यक्तित्व, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। भारत में भी बच्चों को शारीरिक दंड देना एक बड़ी समस्या है। घर से लेकर स्कूलों तक बच्चों के प्रति आक्रामक व्यवहार आम बात है। कई लोगों को इसमें कुछ भी असामान्य नहीं लगता। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या सचमुच इस तरह के व्यवहार से बच्चे सुधरते हैं, या फिर उनमें हीन भावना और हिंसा की मानसिकता घर कर जाती है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपट में इस सवाल का स्पष्ट जवाब है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में अठारह साल से कम उम्र के आधे से अधिक बच्चे हर वर्ष किसी न किसी रूप में शारीरिक दंड का शिकार होते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, शारीरिक सजा को अक्सर हम केवल मारपीट तक सीमित समझते हैं, लेकिन इसकी परिभाषा कहीं व्यापक है। बच्चों के कान खींचना, उन्हें घुटनों पर बैठाना, घंटों खड़ा रखना, अपमानित करना, भूखा रखना या ऐसी कोई भी सजा जो उन्हें शारीरिक या मानसिक पीड़ा देती है, सब इसी श्रेणी में आती है। बच्चों पर हाथ उठाने का मतलब उनकी गरिमा को चोट पहुंचाना भी है। इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा है कि यह सब केवल घरों में ही नहीं होता, बल्कि स्कूलों और छात्रावासों में भी 'अनुशासन' के नाम पर इस तरह की आक्रामकता अक्सर देखने को मिलती है।

शारीरिक दंड केवल दर्द ही नहीं देता, बल्कि यह बच्चों के दिल और दिमाग पर स्थायी घाव छोड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिन बच्चों को शारीरिक दंड झेलना पड़ता है, उनके विकास की राह पर आगे बढ़ने की संभावना अपने साथियों की तुलना में चौबीस फीसद कम होती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि पिटाई बच्चों के तनाव को बढ़ा देती है, जिससे मस्तिष्क की संरचना और कार्य प्रभावित होते हैं। इसका असर केवल पढ़ाई-लिखाई पर ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। ऐसे बच्चे अक्सर गुमसुम और सहमे हुए रहते हैं। वे अपनी बात कहने से डरते हैं और उनमें चिंता और अवसाद गहराने लगता है।

इससे एक और अहम पहलू उजागर होता है कि शारीरिक दंड हिंसा को समाज में सामान्य बना देता है। जिन बच्चों को बचपन में आक्रामक व्यवहार झेलना पड़ता है, वे बड़े होकर वही तरीका अपनाते हैं। यानी यह चक्र पीढ़ियों तक चलता रहता है। ऐसे बच्चे बड़े होकर जब खुद माता-पिता बनते हैं, तो वे भी अपने बच्चों के साथ इसी तरह पेश आते हैं। कई बार यही बच्चे हिंसक प्रवृत्तियों के साथ समाज में अपराध की ओर बढ़ जाते हैं। शारीरिक दंड बच्चों के अधिकारों का भी गंभीर उल्लंघन है। बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति ने इसे उस सजा के रूप में परिभाषित किया है, जिसमें शारीरिक बल का प्रयोग कर बच्चों को दर्द या परेशानी पहुंचाई जाती है, चाहे वह कितना भी साधारण क्यों न हो। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में दो से चौदह वर्ष की आयु के लगभग साठ फीसद बच्चों को घर और स्कूल में नियमित रूप से शारीरिक दंड का सामना करना पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने शारीरिक दंड के कई रूप बताए हैं। इनमें बच्चों को असुविधाजनक मुद्रा में खड़ा करना, सिर पर बैग रख कर बैठाना, घुटनों के बल बैठाना और उन्हें बंद करके रखना शामिल है।

दरअसल, बच्चों की पिटाई केवल एक घर या एक कक्षा की समस्या नहीं है। यह समाज के भीतर हिंसा की संस्कृति को जड़ से सींचने का काम करती है। दुनिया के सड़सठ देशों में शारीरिक दंड पर पूर्ण प्रतिबंध है। भारत में भी शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009 के तहत स्कूलों में बच्चों की पिटाई गैर कानूनी है। मगर कानून और हकीकत के बीच का फासला बहुत बड़ा है। इसका प्रमाण स्कूलों में आए दिन बच्चों से मारपीट की घटनाएं हैं। कई मामलों में तो बच्चों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। इसी वर्ष मई में प्रयागराज के एक स्कूल में नर्सरी के एक बच्चे को शिक्षिकाओं ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। बीते अप्रैल में राजस्थान के प्रतापगढ़ में निजी स्कूल में एक बच्ची को न केवल मारा-पीटा गया, बल्कि उसके हाथ-पांव बांध कर घंटों बैठाए रखा गया। वर्ष 2022 में राजस्थान के जालोर स्थित एक स्कूल में शिक्षक द्वारा मासूम की पिटाई का मामला सामने आया था। ऐसी घटनाओं की पूरी श्रृंखला है।

ग्रामीण इलाकों और कस्बों के स्कूलों में अब भी बच्चों को पीटना आम बात है। अफसोस है कि घरों में माता-पिता भी बच्चों को मारना 'जरूरी' मानते हैं। हम अक्सर इन्हें 'सामान्य' मान कर नजरअंदाज कर देते हैं। लिहाजा जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कागज पर लिखे कानून से कोई बदलाव नहीं होगा। कई बार लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि पिटाई से अनुशासन आता है। अगर पिटाई नहीं की जाए तो अनुशासन कैसे संभव है? यह गलत धारणा है, क्योंकि बच्चों के साथ इस तरह के व्यवहार के बिना भी उन्हें सही दिशा दी जा सकती है। सकारात्मक अनुशासन इसका विकल्प हो सकता है। इसके तहत बच्चों से संवाद कर उनकी भावनाएं समझी जा सकती हैं। उन्हें यह बताना जरूरी है कि कौन-सा काम क्यों गलत है। बच्चों के साथ धैर्य से पेश आना होगा। नासमझी में बच्चे गलतियां करते हैं। जब वे गलती करें, तो उन्हें डांटने- फटकारने के बजाय प्यार से समझाया जाना चाहिए।

यह समझना बहुत जरूरी है कि बच्चे वही सीखते हैं, जो देखते हैं। अगर घर और विद्यालय में उन्हें सम्मान और प्यार मिलेगा, तो वे भी ऐसा ही आचरण करेंगे। अच्छे व्यवहार पर तारीफ और प्रोत्साहन बच्चों को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करता है। स्कूलों में नियम और सीमाएं आवश्यक हैं, पर उन्हें बच्चों को आतंकित करके नहीं, बल्कि विश्वास और समझ-बूझ से लागू करने की जरूरत है। जो शिक्षक आदतन बच्चों को शारीरिक सजा देते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। मासूम बच्चों से जुड़े इस संवेदनशील मामले में जिम्मेदारी को केवल माता-पिता अथवा शिक्षकों तक सीमित नहीं किया जा सकता है। यह सामूहिक जिम्मेदारी है। समूचे समाज को यह मानना होगा कि बच्चों के साथ आक्रामक व्यवहार अनुशासन का साधन नहीं, बल्कि हिंसा है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। बच्चे हमारा भविष्य हैं। सम्मान और सुरक्षा के साथ बड़े होना उनका अधिकार है। यह अधिकार उनसे किसी भी सूरत में छीना नहीं जाना चाहिए।

केवल ज्ञान नहीं बल्कि हमारे व्यक्तित्व का गहन निरीक्षण करता है 'दर्शन', आलोचना करने की देता है क्षमता

दर्शन' केवल एक शब्द नहीं है। इस शब्द का बड़ा विस्तार और चिंतन है, इसलिए 'दर्शनशास्त्र' की रचना हुई है। दुनिया में रहकर अपनी जिंदगी जीते हुए, रिश्तेदारी और जिम्मेदारी निभाते हुए भी अपने लिए समय निकालकर खुद से बात करना आवश्यक है। अपने विचारों का आधार ज्यादातर अपने परिवेश पर निर्भर है। उसी परिवेश में रहे लोगों से हटकर अपने आप को कुछ अलग प्रतिपादित करना भी है। अपने व्यवहार और सोच के माध्यम से जब हम लोगों के साथ चलते हुए भी कुछ अलग सोचते हैं, तब हमारा पूरा व्यक्तित्व निखरता है और लोग हमें सम्मान से देखने लगते हैं।

ज्ञान और प्रेम का जो संपुट बनता है, वहीं से दर्शन की शुरूआत होती है। साथ ही निरंतर ज्ञान प्राप्ति की इच्छा हमें नई राह दिखाती है। सर्व के प्रति समभाव के साथ हमारा अल्प ज्ञान धीरे-धीरे अनुभव और चिंतन से बढ़ता है, तब हमें ज्ञान का प्रकाश तेजस्वी बनाता है। आंतरिक शुद्धि जितनी होगी, उतने ही हम तेजस्वी बनेंगे। हमारे विचार, हमारी भाषा और हमारे व्यवहार में धैर्य व स्थिरता का अनुभव दूसरों को भी महसूस होगा। हम 'दर्शन' शब्द पर विचार करना शुरू करते हैं, तो एक पूर्वधारणा के मुताबिक हम यह अपेक्षा करने लगते हैं कि इसके भीतर उतरने से ही हमें ज्ञान की प्राप्ति हो सकती है।

सच यह है कि 'दर्शन' हमें केवल ज्ञान नहीं देता, वह हमारे ही व्यक्तित्व का गहन निरीक्षण करता है, आलोचना करने की क्षमता देता है और इसी के कारण हमारा हर एक कदम संभलकर चलने की आदत डाल देता है। अपने ही विचार, ज्ञान और व्यवहार से हमारे अंदर प्रकृति लहलहाने लगती है। चेतना से संबंधित सुख का अनुभव कराती है। 'दर्शन' के अभ्यासी जब भी कोई बात करते हैं तो उसमें सत्य और तर्क का बड़ा संगम होता है। उसमें कलात्मक भावाभिव्यक्ति होती है। सहज-सरल संवाद होता है, जो अन्य व्यक्ति के मन को मोह लेता है, आकर्षित करता है। उन्हें संवाद रचने में सुकून और शांति का अनुभव होता है। उनके इस अनुभव का आनंद जब चेहरे पर छलकता है, तब हमें भी परम आनंद का सुख मिलता है।

जैसे-जैसे हमारा जीवन निरामय और पवित्र बनता जाता है, वैसे-वैसे हमारे अंदर ऊर्जा का संचयन होता है। यहां ऊर्जा का अर्थ शारीरिक ताकत का नहीं है, बल्कि हमारे ज्ञान से है। ऐसा ज्ञान हमें क्रमशः आध्यात्मिक विचार प्रदान करता है। जब हम दुनियावी लौकिक और अलौकिक घटनाओं को अलग-अलग रूप में देख सकते हैं, उसे महसूस कर सहते हैं। यहीं से हमारी यात्रा अंतर्मन के साथ उड़ान भरती है। तब हमारी सोच मानवीय जीवन से ऊपर उठकर तेजोमय दैवीय आनंद प्रदान करती है। उसमें चमत्कार नहीं होता। हमें चमत्कार इसलिए लगता है कि हमने जो देखा नहीं, महसूस नहीं किया, वह हमारे सामने आ जाए, सुकून दे या परम आनंद की अनुभूति करवाए, तब हम उसे चमत्कार का नाम दे देते हैं। असल में इस ब्रह्मांड में वह सब तो अनादिकाल से था और हमें अभी अनुभव हुआ तो चमत्कार लगने लगा।

समय के साथ हमारी अवस्था जैसे-जैसे आध्यात्मिक दर्शन करने के लिए परिपक्व बनने लगती है, तब हमारी दृष्टि में बदलाव आता है। समष्टि को देखने का नजरिया ही बदल जाता है, क्योंकि हमारे सारे मानवीय गुण-अवगुण से परे होकर दिव्य दृष्टि का द्वार खुलता है, जहां सिर्फ उजास है, आनंद है। प्रकृति चरम पर होती है, इसलिए सब कुछ दैदीप्यमान नजर आता है। यहां से हम ही अपने गुरु बन जाते हैं। जो अन्य में खोजता है, वह उनके लिए कभी पर्याप्त नहीं होता। ज्ञान पाने का माध्यम हम गुरु को बनाते हैं, मगर गुरु की भी कुछ मर्यादाएं होती है, क्योंकि उनकी सोच और परवरिश कुछ हद तक हमारे व्यक्तित्व पर छाप छोड़ देती है या यों कहें कि हम अंधे होकर उनका अनुसरण करने लगते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि हम अपना अस्तित्व उनके पास अमानत के तौर पर रख कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, जो अंत में सिर्फ कोशिश ही साबित होगी। हमारा अपना परिणाम प्राप्त नहीं होगा।

दरअसल, 'दर्शन' का अर्थ ही है ज्ञान की खोज करना। बाहरी जीवन में हमें जो मिल रहा है, वह दूसरों के माध्यम से मिलता है। इसका अर्थ यह कि वह पहले से मौजूद है। उसके साथ कोई और भी है जो जुड़ा हुआ है। उसमें हमारा अपना कुछ भी नहीं है। इससे अच्छा है कि हम अपने आप को खुद ही में ढूंढ़ें, क्योंकि भीतर की खोज ही हमें वह सारा ज्ञान, ऊर्जा, पवित्रता और परम आनंद की अनुभूति दे सकती है। इन सारे गुणों का समन्वय जब हमारे अंदर प्रस्थापित हो जाएगा, उसकी आदत बन जाएगी, तब हमारा चेतना संबंधित मार्ग दिव्यता की ओर खुलता जाएगा, जहां हमें अपने ईश्वर की खोज है। संभव है, उस खोज के रास्ते में भी ईश्वर मिल जाए, मगर वह निराकार होगा। यह सब अहसास का मामला है कि हम क्या खोजते हैं, क्या महसूस करते हैं और इस आधार पर क्या तथा किसे पहचान पाते हैं। यह यात्रा निरंतरता की है। जब तक जीवन है, सब कुछ चलता रहेगा। उसमें केवल हम ही होंगे। जो मूर्त दिखता है, वह भी कब अमूर्त हो जाए और फिर भी हमें महसूस होता रहे, यही केवल ज्ञान और परम आनंद का ओजस्वी शिखर होगा।

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हें। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, 'अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।'

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए. दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा।'

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में सुजुकी मोटर्स के कार्यक्रम में स्वदेशी की पुरजोर वकालत और उसकी नई व्याख्या से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा, 'पैसा किसका लगता है...वो डॉलर है, पाउंड है, वो करंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। पैसा किसी का, पसीना हमारा। पैसा कहीं से आए, पसीना यहां का लगे।'

जहां तक आत्मनिर्भरता की बात है तो तमाम प्रधानमंत्री उसका जिक्र करते रहे हैं। लालबहादुर शास्त्री ने तो अमेरिकी कानून पीएल 480 के तहत आने वाले गेहूं का आयात बंद कर दिया था क्योंकि अमेरिका इससे भारत की विदेश नीति प्रभावित करने की कोशिश में था। अमेरिकी गेहूं का आयात बंद होने से ही हरित क्रांति का रास्ता खुला और देश अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सका। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी स्वावलंबन के इस नारे को आगे बढ़ाया। लेकिन स्वदेशी को आंदोलन बनाने की घोषणा किसी ने नहीं की। वे बदलती दुनिया के साथ कदमताल को जरूरी मानते थे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिशें अब भी जारी हैं। लेकिन इसमें सबसे बड़ा रोड़ा भारत की विदेश नीति को पूरी तरह बदलने की ट्रंप की जिद है। कृषि क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा खोलने जैसे मुद्दे भी रुकावट बने हुए हैं। अमेरिका सिर्फ व्यापार नहीं करना चाहता, वह एक ऐसा पार्टनर चाहता है जो उसके सहायक की भूमिका में हो। वह चाहता है कि भारत, रूस या दुनिया के बाकी देशों से व्यापार ही नहीं सामरिक संबंध भी उसकी मर्जी के हिसाब से तय करे। जाहिर है कि भारत,

पाकिस्तान की तरह उसका पिछलग्गू नहीं बन सकता। ऐसे में अपने फैसले खुद लेने की आजादी और राष्ट्रीय गौरव बरकरार रखने की सोचते समय स्वाधीनता संग्राम को याद करना और स्वदेशी का ध्यान आना स्वाभाविक ही है।

जानकारों के मुताबिक केंद्र सरकार को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ज्यादा से ज्यादा कदम उठाए जाने चाहिए। छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। कृषि उत्पादों में नयी तकनीक लगाकर किसान की मदद करके नए बाजारों तक पहुचाएं। घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन दें। हमें शिक्षा और ग्रामीण विकास पर ध्यान देना होगा। भारत को कृषि क्षेत्र और कुटीर उद्योगों पर ध्यान देना चाहिए। अगर ग्रामीण स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा तो आयात कम होगा और रोजगार भी बढ़ेंगे। आत्मनिर्भरता केवल उद्योग से नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों के सही इस्तेमाल से संभव है।

यह अवसर है जब स्टार्टअप और एमएसएमई को नीतिगत समर्थन दिया जाए। अगर छोटे और मध्यम उद्योगों को सस्ता ऋण और तकनीकी मदद मिले, तो वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। यही भारत को नई आर्थिक ताकत देगा। यह समय है कि हम विदेशी आयात पर निर्भरता कम कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाएं। सरकार को उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को सशक्त आधार मिले। यही विकास का स्थायी रास्ता होगा।

पीएम मोदी ने अमेरिका को साफ संदेश दे दिया है कि भारत किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है। इसी बीच जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर ऑलगेमाइन जितुंग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत पर टैरिफ लगाने के बाद ट्रंप ने पीएम मोदी को 4 बार कॉल किया, लेकिन उन्होंने रिसीव ही नहीं किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ट्रंप के टैरिफ से नाराज भारत सरकार अमेरिका से कोई आसान डील नहीं करना चाहती। हेंड्रिक अंकेनब्रांड, विनांड वॉर्न पीटर्सडॉफ, गुस्ताव थाइले ने लिखे अपने लेख में कहा कि यह भारत सरकार की बदली हुई नीति का उदाहरण है। अमेरिका से नाराज होकर भारत, चीन और रूस से अपने संबंध बेहतर बनाने में जुट चुका है। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी जापान और चीन की यात्रा पर हैं।

कोरोना महामारी के दौरान जब वैश्विक सप्लाई चेन टूट गई थी, तब भी देश ने आत्मनिर्भरता का महत्व समझा। अब डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ कदमों ने भी भारत को यह सिखाया है कि हमें अपने उद्योगों, किसानों और तकनीक को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। आत्मनिर्भर बने बिना आर्थिक और तकनीकी आजादी असंभव है। आज भारत में बनी कारें और इलेक्ट्रॉनिक सामान दुनिया भर में छा रहे हैं। रक्षा से लेकर डिजिटल तकनीक तक, आत्मनिर्भरता का यह अभियान अब केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की सबसे बड़ी आर्थिक रणनीति बन चुका है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ने अहम भूमिका निभाई। स्वदेशी हथियारों और तकनीक की मदद से भारत ने तेजी और कुशलता से सफलता हासिल की। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर न होता, तो यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने दुकानदारों से भी अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर लिखें 'यहां स्वदेशी सामान मिलता है।' यह केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में बड़ा कदम है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्ट-अप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और अब 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों का मकसद यही है कि देश का उद्योग और तकनीक दुनिया के मुकाबले खड़ा हो सके। आज भारत तेज़ी से मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है। अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने या गैर-टैरिफ बैरियर लगाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग नई ऊंचाइयां छू रहे हैं।

जिलाधिकारी द्वारा सीएचसी भदोही का किया गया औचक निरीक्षण

नवनिर्मित 50 शैय्या फील्ड हॉस्पिटल के शीघ्र संचालन के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भदोही का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था तथा चिकित्सकीय उपकरणों की स्थिति का गहन जायजा लिया साथ ही सीएचसी परिसर में नवनिर्मित 50 सैया फील्ड हॉस्पिटल का भ्रमण कर उसका निरीक्षण किया एवं इसे शीघ्रातिशीघ्र संचालित करने के निर्देश दिए।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. समीर उपाध्याय के साथ जिलाधिकारी ने पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, लेबर रूम, ऑपरेशन थियेटर (ओटी), एमएनसीयू, लैब, ओपीडी, बाल रोग कक्ष, एमसीडी सेल (नॉन कम्युनिकेबल डिजीज), टीकाकरण कक्ष, एसएनसीयू सहित प्रथम और द्वितीय तल पर स्थित विभिन्न चिकित्सा कक्षों और केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित चिकित्सा कर्मियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए और व्यवस्थाओं में और सुधार लाने की बात कही। जिलाधिकारी ने सीएचसी में भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों से संवाद कर उन्हें मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से दवाओं की उपलब्धता, इलाज की प्रक्रिया तथा स्टाफ की व्यवहारिकता के बारे में फीडबैक लिया।

निरीक्षण के दौरान जब जिलाधिकारी ने चिकित्सालय परिसर में गंदगी पाई और सीढ़ियों पर चिकित्सकीय उपकरणों को बेतरतीब ढंग से रखा देखा, तो उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। इस पर उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल प्रभाव से साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पतालों में स्वच्छता और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि मरीजों को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने सीएचसी परिसर में नवनिर्मित 50 सैया फील्ड हॉस्पिटल का भ्रमण कर उसका निरीक्षण किया एवं इसे शीघ्रातिशीघ्र संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए इस अस्पताल का क्रियाशील होना अत्यंत आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्सा स्टाफ से आग्रह किया कि वे पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने किया बीडा कार्यालय का औचक निरीक्षण

बीड़ा मास्टर प्लान निर्माण कार्य में तेलाने एवं अधोसंरचना सुधार के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा), शैलेष कुमार ने बीड़ा कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अवस्थापना विकास एवं निर्माणाधीन कार्यों की वस्तुस्थिति का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बीड़ा के ड्राफ्ट मास्टर प्लान मैप के निर्माण कार्य की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण परियोजना में तेलाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान जिले के समग्र औद्योगिक विकास की आधारशिला है, इसलिए इसकी गुणवत्ता और समयबद्धता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सीईओ ने बीड़ा कार्यालय के विभिन्न पटल (डेस्क्स) का निरीक्षण किया और वहां कार्यरत पटल सहायकों से सीधे संवाद कर उनकी कार्यशैली, लंबित प्रकरणों एवं कार्यालयी प्रक्रियाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कर्मठता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने की सलाह दी।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने ग्राउंड फ्लोर पर स्थित बड़े हाल में चल रहे मरम्मत कार्य का भी जायजा लिया। मरम्मत कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने निर्माण एजेंसी को मरम्मत कार्य को अविलंब पूर्ण कर उसे शीघ्र संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यालयीन कार्य बाधित न हों और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

जिलाधिकारी ने कहा कि भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण को जिले के औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाया जाना है, और इसके लिए प्रत्येक स्तर पर व्यवस्थागत सुदृढ़ता, योजना निर्माण में पारदर्शिता और अधोसंरचना विकास में गति अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीईओ अनीता देवी, संबंधित अधिकारीगण, अभियंता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुरियावां निगोह प्रधानमंत्री मार्ग पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित, लोगों की लगी कतारे

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां निगोह प्रधानमंत्री मार्ग पर आज सुबह भारी बारिश के कारण एक बड़ा पेड़ गिर गया। इस घटना से मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्कूली वाहन कई घंटों से मार्ग पर फंसे हुए हैं। बच्चों को स्कूल पहुंचने में देरी हो रही है। स्थानीय लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग खोजने पड़ रहे हैं। पेड़ गिरने के समय कोई जनहानि नहीं हुई। लोग बाल-बाल बच गए। हालांकि, लोगों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। प्रशासन की ओर से अभी तक कोई सफाई कार्य शुरू नहीं किया गया है। प्रशासन ने मार्ग को जल्द साफ करने का आश्वासन दिया है। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। यह घटना 2 सितंबर 2025 की है।इस अवसर पर नितेश उपाध्याय, प्रिन्स उपाध्याय, अंकुर, सूरज पाठक, अजय यादव सहित कई लोगों ने सफाई की मांग की।

01 से 25 सितम्बर तक ऑनलाइन पोर्टल पर बुकिंग कर प्राप्त करें, वित्त पोषित निःशुल्क दलहनी फसलें चना, मटर, मसूर एवं सरसों के बीज व मिनीकिट

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उप कृषि निदेशक अश्वनी सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित निःशुल्क दलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत रबी 2025-26 में दलहनी फसलें चना, मटर, मसूर एवं सरसों के बीज मिनीकिट कृषकों को निःशुल्क उपलब्ध कराये जायेंगे।

इन मिनीकिटों के लाभार्थियों का चयन ई-लाटरी पद्धति द्वारा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के माध्यम से पारदर्शी ढंग से किया जायेगा। इच्छुक कृषक जो इस योजना का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें कृषि दर्शन-2 पोर्टल (https://agridarshan.up.gov.in) पर अनिवार्य रूप से बुकिंग / आवेदन कराना होगा। बुकिंग प्रारम्भ होने की 01 सितम्बर 2025 आवेदन अन्तिम तिथि 25 सितम्बर 2025, बुकिंग का माध्यम- कृषि विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से आनलाईन किया जा सकता है। एक कृषक केवल एक ही दलहनी फसल का मिनीकिट प्राप्त कर सकेगा। कृषि विभाग में पंजीकृत कृषक ही मिनीकिट हेतु बुकिंग/आवेदन कर सकेगा। विकास खण्ड स्तर से निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन होने की दशा में ई-लाटरी के माध्यम से चयन किया जायेगा। जनपद भदोही के समस्त कृषकों से कृषि विभाग अपील करता है कि ससमय अपना आवेदन बुकिंग अवश्य कर लें एवं इस योजना का लाभ उठायें।

हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। निदेशक महिला कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में 'संकल्पः हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत विकास खण्ड डीघ के अन्तर्गत पार्वती देवी नेशनल इण्टरमीडिएट कालेज, नवधन एवं प्राथमिक विद्यालय, नवधन में महिला कल्याण अधिकारी ममता सिंह द्वारा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

ममता सिंह द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर एवं 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन का प्रचार-प्रसार एवं पात्र लाभार्थियों का योजना का आवेदन कराया गया एवं सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1098 चाईल्ड लाईन, 1098 वीमेन पॉवर लाईन, 181 महिला हेल्पलाईन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाईन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा एवं 108 एम्बुलेस सेवा आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

महिला कल्याण विभाग द्वारा निराश्रित महिला पेंशन योजना के 28737, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 18570, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19) के 199, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के 1141 एवं स्पॉनसरशिप योजना के 1223 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। कार्यक्रम में महिला कल्याण अधिकारी ममता सिंह, रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट, आनन्द कुमार मौर्या, सत्येन्द्र पाण्डेय, वीरेन्द्र तथा काफी संख्या में छात्रायें व शिक्षक उपस्थित रहें।

किसान कांग्रेस कमेटी मे संजय दूबे को प्रदेश उपाध्यक्ष की मिली जिम्मेदारी

मंत्र भारत संवाददाता

मिर्ज़ापुर। उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी के विस्तार के अंतर्गत मीरजापुर जनपद के कई नेताओं को अहम जिम्मेदारी मिली है, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय दूबे को उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस मे प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। मालूम हो कि मिर्ज़ापुर जनपद के ककरहा निवासी संजय दूबे बीते 35 वर्षों से कांग्रेस से जुड़े है और जिला कांग्रेस कमेटी मे सचिव और महासचिव तथा उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी मे जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा चुके है। विदित हो कि संजय दूबे के दादा स्वर्गीय सीता चरण दूबे और पिता स्वर्गीय राजबली दूबे भी कांग्रेस के पुराने सिपाही और कार्यकर्ता थे।

मालूम हो कि सोमवार को उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष रामभुवाल शुक्ला ने संगठन विस्तार की प्रक्रिया के तहत उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की संस्तुति पर किसान कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की है। इस कमेटी में मिर्ज़ापुर जनपद से जुड़े कई नेताओं को विशेष दायित्व सौंपा गया है। इनमें संजय दूबे और जीतेन्द्र चौबे को उपाध्यक्ष, उमाकांत सिंह, हरिशंकर सरोज एवं महेश तिवारी महासचिव और राजेश मिश्रा को सचिव पद की जिम्मेदारी मिली है। और किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पद पर आनन्द तिवारी को मनोनीत किया गया है।

जनपद से पूर्वी प्रदेश के कमेटी में इन नेताओं की नियुक्ति पर स्थानीय नेताओं कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश त्रिपाठी, कोऑर्डिनेटर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं प्रभारी भदोही दयाशंकर पांडेय, पीसीसी सदस्य जनार्दन पाठक, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जगदीश्वर दुबे, पीसीसी सदस्य अर्चना चौबे, पीसीसी सदस्य द्वारिका पाल, जिला महासचिव संजय पांडेय, अखिलेश मिश्रा, पूर्व जिला महासचिव श्रीराम पांडेय, जिला सचिव शकील अहमद, पंधारी पासी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष शिवराज दुबे सहित अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि किसान कांग्रेस का संगठन गांव-गांव तक मजबूत होगा और किसानों की समस्याओं को लेकर संघर्ष और तेज़ी से किया जाएगा।

सरकारी स्कूल मे इन्वर्टर लगवाकर समाजसेवी ने पेश की मिशाल

अपने और अपनी पत्नी के जन्मदिन पर बच्चों को दी सौगात

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के बेरासपुर ग्रामसभा निवासी युवा समाजसेवी और सेस्को संस्था के अध्यक्ष आशुतोश तिवारी ने अपनी पत्नी के जन्मदिन पर गांव मे स्थित कम्पोजिट विद्यालय मे इन्वर्टर लगवाकर एक मिशाल पेश कर दी। इसके पहले आशुतोश तिवारी ने बीते 26 जुलाई को अपने जन्मदिन पर भी विद्यालय मे इन्वर्टर लगवाकर बच्चों को पढ़ाई के दौरान गर्मी से निजात दिलाने का पुनीत कार्य किया था। और डेढ़ माह के अंदर ही बेरासपुर कम्पोजिट विद्यालय मे सेस्को संस्था के तरफ से दूसरा इन्वर्टर भी लगवाया गया और विद्यालय के बच्चों को टॉफी भी वितरण किया।

मालूम हो कि बेरासपुर निवासी आशुतोष तिवारी अपने राष्ट्रवादी विचारधारा और सामजिक कार्यों से पुरे जनपद मे एक अलग मिशाल पेश की है। पूर्व मे सेस्को संस्था के तरफ से विद्यालय मे आरो प्लांट भी स्थापित करवाकर बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था की है। आशुतोष तिवारी विशेष पर्वो पर तिरंगा यात्रा, जाड़ा मे कम्बल वितरण का भी आयोजन करते है। साथ ही सेस्को संस्था के तरफ से समय समय पर प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जाता है।

युवा समाजसेवी आशुतोष तिवारी ने कहा कि सेस्को संस्था सामजिक और शैक्षिक उन्नयन के लिए काम करने वाली सामजिक संस्था है, जिसके माध्यम से सामजिक कार्य किया जाता है, सेस्को संस्था के तरफ से धीरे धीरे अन्य जगहों पर भी सामाजिक कार्य की योजना है। आशुतोश तिवारी के इस कार्य की पुरे जिले मे चर्चा है। आशुतोष तिवारी, आंनद तिवारी, सुभाष चंद्र, महेंद्र कुमार दूबे, नरेंद्र कुमार पटेल, सुनील कुमार मौर्या, दिलीप कुमार, महेश त्रिपाठी, सतीश मौर्या समेत विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राम भुवाल शुक्ला नियुक्त

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राम भुवाल शुक्ला ने मंगलवार को संगठन को मज़बूती प्रदान करने के उद्देश्य से नये ज़िला अध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की।

इस क्रम में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व उपाध्यक्ष, बैराखास निवासी विष्णु उपाध्याय को किसान कांग्रेस भदोही का ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं युवा नेता रियाज़ अहमद को किसान कांग्रेस का प्रदेश महासचिव घोषित किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वसीम अंसारी ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि 'विशणु उपाध्याय और रियाज़ अहमद जैसे ऊर्जावान व सक्रिय नेताओं की नियुक्ति से किसान कांग्रेस और अधिक मज़बूत होगी। इनके नेतृत्व में संगठन जनपद से लेकर प्रदेश स्तर तक नई ऊर्जा और दिशा प्राप्त करेगा।'

दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने वालों में मुख्य रूप से कोऑर्डिनेटर सत्यवीर सिंह, कोऑर्डिनेटर दयाशंकर पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. राजन दूबे, सुरेश चंद्र मिश्र, राकेश कुमार मौर्य, राजेश दूबे, दिनानाथ दूबे, राजेश्वर दूबे, मुशीर इक़बाल, मसूद आलम, त्रिलोकी नाथ बिन्द, सुरेश गौतम, सुबुकतगीन अंसारी, नाजिम अली, सुरेश चौहान इरफ़ान परवेज़, शाहिद भाई, शमशीर अहमद, स्वालेह अंसारी, अवधेश पाठक, मनोज गौतम, राजेंद्र प्रसाद मौर्या, अवधेश पाठक, जजलाल राय, शक्ति मिश्रा, संदीप दूबे, सरफ़राज़ अहमद, शिवपूजन मिश्र, महेशचंद्र मिश्र, रामशंकर बिंद, धर्मराज बिंद, राजाराम दूबे, शारदा सरोज, संजय पाण्डेय, करन मौर्या, लक्ष्मी शंकर चौबे, राकेश पाल, राजेश यादव, राजेश पाल, संतोष पाल धीरज मिश्रा, विमलेश पाल आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

आगामी 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबंधकों के साथ हुई बैठक

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13.09.2025 को आयोजित की जा रही है। जिसके परिप्रेक्ष्य में अखिलेश दूबे, माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही के निर्देशानुपालन में श्रीमती तरूणिमा पाण्डेय पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही, द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के विचार विमर्श हेतु जनपद भदोही के समस्त बैंक शाखा प्रबन्धकगण की बैठक अपने विश्राम कक्ष में दिनांक 02.09.2025 को दोपहर 12:00 बजे से आहूत की गयी। जिसमें बैंक शाखा प्रबन्धकगण उपस्थित हुए तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

कालीन निर्यातकों की बैठक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कालीन निर्यातको की माग और वर्तमान स्थिति (टैरिफ) को ध्यान में रखते हुए परिषद् के अध्यक्ष एवं प्रशासनिक समिति के सदस्यों ने इंडिया कारपेट एक्सपो में भाग में लेने वालो के लिए विशेष छूट ।

आज दिनांक 02 सितम्बर 2025 को परिषद् के क्षेत्रीय कार्यालय, कारपेट एक्सपो मार्ट, भदोही में प्रशासनिक समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 49वें इंडिया कारपेट एक्सपो के आयोजन को लेकर विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में परिषद् के अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल तथा प्रशासनिक समिति के सदस्य अनिल सिंह, असलम महबूब, संजय गुप्ता, पियूष बरनवाल, रोहित गुप्ता, रवि पटोदिया, हुसैन जफ़र हुसैनी, इम्तियाज़ अहमद के अलावा परिषद् के कार्यकरी निदेशक एवं सचिव डा. स्मिता नागर कोटी भी उपस्थित थी

बैठक में, वर्तमान बाजार स्थिति और निर्यातकों के हितों को ध्यान में रखते हुए, समिति ने स्टॉल बुकिंग शुल्क में ?2000 (दो हजार रुपये) की कमी करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय सभी निर्यातकों के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है।

इंडिया कारपेट एक्सपो को सफल बनाने के लिए के लिए और एक्सपो मार्ट को पूरी तरह से संचालित करने के लिए सभी तैयारिया शुरू हो चुकी है।

यह भी सूचित किया जाता है कि स्टॉल बुकिंग की प्रक्रिया कल से प्रारंभ की जा रही है। सभी निर्यातकों से आग्रह है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

भिवंडी में गणेश विसर्जन के दौरान मुस्लिम अधिकारी की पहल बनी सौहार्द की मिसाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में गणेशोत्सव के अवसर पर सोमवार 1 अगस्त को एक अनोखी घटना ने पूरे शहर में गंगा-जमुनी तहज़ीब का संदेश फैला दिया। आपातकालीन विभाग के प्रमुख साकिब खर्बे ने धर्म और समुदाय की सीमाओं को पार करते हुए गणेश भक्तों की भावनाओं का सम्मान कर ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसकी चर्चा हर ओर हो रही है।

दरअसल, कामतघर तालाब घाट पर राजन मिश्रा का परिवार पाँच दिवसीय गणपति प्रतिमा का विसर्जन 6 वां दिन करने पहुँचा था। लेकिन उस समय घाट पर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे परिवार असमंजस में पड़ गया। भक्त तत्काल विसर्जन करना चाहते थे, पर प्रशासनिक व्यवस्थाएँ न होने से स्थिति बिगड़ने की आशंका थी। मौके पर पहुंचे साकिब खर्बे ने पहले परिवार को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी आस्था को देखते हुए उन्होंने तत्परता से जिम्मेदारी संभाली और अपनी टीम–छोटू पाटिल व एक अन्य कर्मचारी के साथ–विधिवत रूप से गणेश प्रतिमा का विसर्जन कराया। यह कदम इसलिए और विशेष बन गया क्योंकि साकिब खर्बे मुस्लिम समुदाय से आते हैं, फिर भी उन्होंने गणेश भक्तों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सेवा का परिचय दिया। इस घटना ने शहर में भाई चारे और सौहार्द का संदेश फैलाया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खर्बे की पहल ने समाज में बढ़ती धार्मिक दूरी को पाटने का काम किया है और गंगा-जमुनी तहज़ीब का जीवंत उदाहरण पेश किया है।

आज जब अक्सर धर्म और जाति के नाम पर विभाजन की कोशिशें की जाती हैं, ऐसे समय में खर्बे का यह कदम न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि यह भी साबित करता है कि सच्ची सेवा वही है जिसमें इंसानियत और जनभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए। शहरवासियों ने उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता की नई मिसाल बताया।

भिवंडी में चोरी-छिनौती की बाढ़, एक ही रात में चार बड़ी वारदातें

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में अपराधियों ने बीती रात चोरी और घरफोड़ी की चार बड़ी वारदातों को अंजाम देकर शहरवासियों में दहशत फैला दी.अलग-अलग थानों में दर्ज मामलों से साफ है कि अपराधी अब संगठित तरीके से सक्रिय हो गए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना शांतिनगर पुलिस थाने की हद में पोश एरिया अरिहंत सोसाइटी से सामने आई। यहां मेडिकल व्यवसायी संदीप सुभाषचंद्र दुबे के मेडिकल स्टोर का ताला तोड़कर चोर नकदी और सामान लेकर फरार हो गए। सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुबे ने चोरी का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी।दूसरी वारदात कोनगांव पुलिस ठाणे क्षेत्र में दर्ज हुई। वासुदेव पाटील नगर स्थित जमुनाई अपार्टमेंट में रहने वाले अमोल ताराचंद परदेशी के घर में काम करने वाली महिला रश्मी रमेश देवरेकर ने 48 हजार रुपये नकदी चुराई। आरोपी महिला घरेलू कामकाज का भरोसा मिलने का फायदा उठाकर रकम लेकर फरार हो गई।

तीसरी घटना नारपोली थाने अंतर्गत सांरग गांव की है। उन्नती वुड्स सोसाइटी आनंदनगर निवासी हिरोजी दिगंबर राणे ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी कंपनी यार्ड में रखी 39 लाख 65 हजार रुपये की कीमत की एल्युमिनियम मायवान प्लेट अज्ञात चोरों ने गायब कर दी। यह वारदात अब तक की सबसे बड़ी चोरी मानी जा रही है।

चौथी वारदात शहर पुलिस थाने क्षेत्र में हुई। यहां मोहम्मद हारून हासिम शेख की स्कूटी (MH-04-KM-2699) चोर दुकान के बाहर से उठा ले गए। सुबह मालिक को वाहन गायब मिला। एक ही रात चार वारदातों ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। ठाणे पुलिस उपायुक्त परिमंडल-2 के तहत पुलिस टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जल्द ही अपराधियों को पकड़कर वारदातों का पर्दाफाश किया जाएगा।

भिवंडी में मटका जुआ अड्डे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नेशनल होटल के पीछे से तीन आरोपी गिरफ्तार, मगर संदीप का 'अड्डा' अब भी कार्रवाई से अछूता

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। ठाणे पुलिस उपायुक्त परिमंडल-2 भिवंडी के अंतर्गत पुलिस ने सोमवार, दोपहर में मटका जुआ अड्डे पर छापा मारते हुए बड़ी कार्रवाई की। भोईवाडा पुलिस थाने के अंतर्गत भंडारी कंपाउंड क्षेत्र में नेशनल होटल के पीछे चल रहे अवैध मटका जुए में लिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से 1350 रूपये की नकद राशि भी जब्त की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान इम्तियाज अहमद अब्दुल गफ्फार मोमिन (45), सत्येंद्र महेश भारती (38), कमलेश गुलाबदास पटेल (55) के रूप में हुई है। आरोपियों को महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक कायदा 12 (अ) के तहत गिरफ्तार किया गया।

हालांकि इस कार्रवाई के बाद इलाके में एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है–आखिरकार भोईवाडा पुलिस अंजठा कंपाउंड में खुलेआम संचालित हो रहे संदीप के मटका जुआ अड्डे पर क्यों कार्रवाई नहीं करती ? सूत्रों के मुताबिक, संदीप का अड्डा लंबे समय से सक्रिय है और स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद पुलिस वहां पर कोई छापा नहीं मारती।

सूत्रों का कहना है कि संदीप को इलाके के एक बड़े नेता का संरक्षण प्राप्त है। इसी कारण पुलिस भी उसके अड्डे के खिलाफ कदम उठाने से कतराती है। इस संरक्षण के चलते संदीप का जुआ कारोबार लगातार फल-फूल रहा है और रोजाना लाखों रुपये का लेन-देन होता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि एक ओर पुलिस छोटे मटका संचालकों को पकड़कर कार्यवाही दिखाती है, वहीं दूसरी ओर असली 'गॉडफादर' को हाथ नहीं लगाती। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना है कि दबाव और आलोचनाओं के बीच पुलिस संदीप के अड्डे पर भी कार्रवाई करने का साहस दिखाती है या नहीं।

भारी बारिश के चलते 3 सितंबर को बंद रहेंगे कक्षा नर्सरी से 12 तक के सभी स्कूल, सभी बोर्ड को मानना होगा आदेश

नई दिल्ली। लगातार भारी बारिश और बिगड़ते मौसम को देखते हुए, गाजियाबाद जिला प्रशासन ने नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को मंगलवार, 3 सितंबर, 2025 तक बंद करने की घोषणा की है। छात्रों, शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है, क्योंकि बारिश से प्रेरित जलभराव और यातायात व्यवधान जिले भर में दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। जिला मजिस्ट्रेट रवींद्र मांदड़ के निर्देश पर जारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ओ.पी. यादव द्वारा लागू किया गया यह आधिकारिक आदेश सभी स्कूलों और कॉलेजों पर लागू होता है जिनमें सीबीएसई, आईसीएसई, राज्य बोर्ड और मदरसा बोर्ड से संबद्ध स्कूल और कॉलेज शामिल हैं चाहे वे सरकारी हों, सहायता प्राप्त हों या निजी।

नोटिस में कहा गया है, गाजियाबाद में अत्यधिक भारी बारिश को देखते हुए और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, 3 सितंबर, 2025 को कक्षा 12 तक के सभी शैक्षणिक संस्थानों में

अवकाश घोषित किया गया है। इस आदेश का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। गाजियाबाद में बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। सड़कों पर पानी भर जाने और प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम होने के कारण, प्रशासन नागरिकों से आग्रह कर रहा है कि जब तक आवश्यक न हो, घर के अंदर ही रहें। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें लगातार भारी बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की चेतावनी दी गई है। इस क्षेत्र में पहले से ही येलो अलर्ट जारी किया गया था, लेकिन बिगड़ते हालात के कारण इसे अपग्रेड कर दिया गया है।

गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद जैसे इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण भारी जलभराव और लंबी यातायात जाम की स्थिति बनी हुई है। हालाँकि स्कूल बंद करने का आदेश फिलहाल गाजियाबाद के लिए है, लेकिन अगर मौसम लगातार बिगड़ता रहा तो एनसीआर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की घोषणाएँ की जा सकती हैं। अधिकारियों ने सभी निवासियों को सतर्क रहने और आधिकारिक मौसम अपडेट पर नज़र रखने की सलाह दी है। इस बीच, यमुना नदी का जलस्तर तेज़ी से बढ़ रहा है और खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। इसके कारण निचली बस्तियों से परिवारों को राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। हथिनी कुंड, वज़ीराबाद और ओखला बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण सुबह 8 बजे तक नदी का जलस्तर 205.80 मीटर तक पहुँच गया है। आशंका है कि शाम तक यह निकासी सीमा 206 मीटर तक पहुँच सकता है।

उधना स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के ठहराव बुधवार से बहाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उधना स्टेशन का पूर्ण रूप से कायाकल्प हो रहा है और इसे विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। उधना स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1 पर (फ़ेज-II) पुनर्विकास का कार्य पूरा हो चुका है। इसी के मद्देनज़र उधना स्टेशन पर कुछ ट्रेनों का ठहराव अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था, जिसे 3 सितंबर, 2025 से पुनः बहाल किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उधना स्टेशन पर चल रहे प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1 के पुनर्विकास कार्य का दूसरा चरण पूरा हो गया है। इस कार्य हेतु लिये गये ब्लॉक के कारण उधना स्टेशन पर कुछ डाउन ट्रेनों के ठहराव अस्थायी रूप से हटा दिये गये थे, जिन्हें 3 सितंबर, 2025 से बहाल किया जा रहा है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 19033 वलसाड-अहमदाबाद गुजरात क्वीन एक्सप्रेस
2. ट्रेन संख्या 59049 वलसाड-वडोदरा पैसेंजर 3. ट्रेन संख्या 19101 विरार-भरूच एक्सप्रेस 4. ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस 5. ट्रेन संख्या 69151 वलसाड-सूरत मेमू 6. ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-वटवा एक्सप्रेस 7. ट्रेन संख्या 12921 मुंबई-सूरत फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस 8. ट्रेन संख्या 69141 संजान-सूरत मेमू

महाप्रबंधक, मध्य रेल ने 10 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार सम्मान प्रदान किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्म वीर मीना ने दिनांक 02.09.2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित एक समारोह में मध्य रेल के 10 कर्मचारियों, अर्थात् मुंबई मंडल के 6, सोलापुर मंडल के 2 और नागपुर एवं पुणे मंडल के 1-1 कर्मचारी को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये संरक्षा पुरस्कार संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन संचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किए गए। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशंसा प्रमाण पत्र, अनुकरणीय संरक्षा कार्य के लिए एक प्रशस्ति पत्र और ?2000/- का नकद पुरस्कार शामिल है।

पुरस्कार विजेताओं का विवरण

मुंबई मंडल

1. एन प्रसाद, मोटरमैन, कल्याण, मुंबई मंडल ने दिनांक 30.07.2025 को खोपोली लोकल केपी-1 पर काम करते समय, किलोमीटर 74/26 पर एक असामान्य झटका महसूस किया और ट्रेन रोक दी। बारीकी से निरीक्षण करने पर पता चला कि रेल हेड टूटा हुआ है। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया जिससे एक संभावित दुर्घटना टल गई।

2. गंगेश कुमार, ट्रेन मैनेजर, सीएसएमटी, मुंबई मंडल, दिनांक 31.07.2025 को डोंबिवली लोकल डीएल-10 पर काम करते समय, किलोमीटर 41/0 पर एक ट्रैक मेंटेनर को पटरियों पर हाथ हिलाते और दौड़ते हुए देखा। खतरे को भांपते हुए, गंगेश कुमार ने डाउन फास्ट लाइन पर आ रही कल्याण लोकल संख्या के-71 को तुरंत रोकने के लिए कदम उठाए। ट्रैक मेंटेनर ने दिवा-मुंब्रा खंड पर किलोमीटर 41/0 पर एक रेल फ्रैक्चर का पता लगाया था। गंगेश कुमार की सतर्कता और त्वरित सोच ने एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।

3. विनोद कालू म्हात्रे, ट्रैक मेंटेनर, कल्याण, मुंबई मंडल, ने दिनांक 31.07.2025 को दिवा-मुंब्रा खंड पर ड्यूटी के दौरान किलोमीटर 41/0 पर एक रेल फ्रैक्चर देखा। उन्होंने ट्रैक की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए और सभी संबंधितों को सूचित किया, जिससे एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद मिली।

4. नरेश वसंत घारे, ट्रैक मेंटेनर, कर्जत, मुंबई मंडल, ने दिनांक 19.06.2025 को मानसून पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान ट्रैक फॉर्मेशन खिसका हुआ पाया। उन्होंने ट्रैक की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए और सभी संबंधितों को सूचित किया, जिससे एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद मिली।

5. राम अनंत मुने, ट्रैक मेंटेनर, नेरल, मुंबई मंडल, ने दिनांक 03.07.2025 को ड्यूटी के दौरान बदलापुर-वांगनी सेक्शन पर किलोमीटर 77/14 पर एक रेल फ्रैक्चर देखा। उन्होंने पटरी की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए और सभी संबंधितों को सूचित किया, जिससे एक संभावित दुर्घटना टल गई।

6. विशाल बंसोड़े, इलेक्ट्रिकल सिग्नल मेंटेनर (ईएसएम), कलवा, मुंबई मंडल, ने दिनांक 26.06.2025 को सिग्नल अनुरक्षण ड्यूटी के दौरान किलोमीटर 36/140 पर पटरी में फ्रैक्चर देखा। उन्होंने तत्काल कदम उठाए और सभी संबंधितों को सूचित किया, जिससे एक संभावित दुर्घटना टल गई।

सोलापुर मंडल

7. मनीष कुमार, टेक्नीशियन (टीआरडी), कुर्दुवाड़ी, सोलापुर मंडल, ने दिनांक 06.07.2025 को फुट प्लेट निरीक्षण के दौरान बोरीबेल-मलठान खंड पर किलोमीटर 280/10-12 पर ओवर हेड इक्विपमेंट (ओएचई) का जी-जम्पर टूटा हुआ देखा। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया जिससे एक संभावित दुर्घटना टल गई।

8. विकास कुमार पंडित, टेक्नीशियन (टीआरडी), लातूर, सोलापुर मंडल ने दिनांक 22.07.2025 को हरंगुल यार्ड में निरीक्षण के दौरान एक मालगाड़ी के पेंटोग्राफ में असामान्य गति देखी। बारीकी से निरीक्षण करने पर पेंटोग्राफ प्लेट पर एक बड़ा गड्ढा दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया जिससे एक संभावित दुर्घटना टल गई।

नागपुर मंडल

9. नीलेश, पॉइंट्समैन, मालखेड, नागपुर मंडल ने दिनांक 01.08.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, एक मालगाड़ी के साथ सिग्नल एक्सचेंज के दौरान, एक वैगन में हॉट ऐक्सल देखा। उन्होंने तुरंत लाल झंडी दिखाई और स्टेशन मास्टर को सूचित किया। उनकी सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना टल गई।

पुणे मंडल

10. विश्वामित्र कुमार यादव, टेक्नीशियन (सी एंड डब्ल्यू), दौंड, पुणे मंडल ने दिनांक 15.08.2025 को एक मालगाड़ी की रोलिंग-इन जाँच के दौरान एक वैगन के सीबीसी कपलिंग में कुछ असामान्यता देखी। बारीकी से जाँच करने पर एक टूटे हुए योक का पता चला। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया जिससे एक संभावित दुर्घटना टल गई।

पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए और उनके कर्तव्यों के प्रति उनकी सतर्कता और समर्पण की सराहना करते हुए, महाप्रबंधक ने कहा कि सतर्कता और समर्पण के ऐसे कार्य दूसरों को यात्रियों की संरक्षा के लिए ईमानदारी से काम करने और जान-माल और रेल संपत्ति की हानि को रोकने के लिए प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी चंद्र किशोर प्रसाद, अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष और मध्य रेल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हाइड्रोजन बम वाले बयान पर पर गिरिराज सिंह का पलटवार

'राहुल गांधी विदेशी हितों के लिए जीते हैं'

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान पर उनकी कड़ी आलोचना की और उन पर जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया, जो कथित तौर पर भारत में आंतरिक कलह पैदा करना चाहते हैं। यह टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा को एक आसन्न खुलासे की चेतावनी देने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह जल्द ही वोट चोरी के अपने आरोपों से संबंधित एक हाइड्रोजन बम छोड़ेंगे।

कांग्रेस सांसद के बयान के बाद, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता विदेशी हितों के लिए जीते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए जीते हैं। एएनआई से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के लिए जीते हैं। राहुल गांधी विदेशी हितों के लिए जीते हैं... वे जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों के साथ काम करते हैं जो भारत में आंतरिक कलह चाहते हैं... कभी-कभी ऐसा लगता है कि वे भारत के नागरिक हैं भी या नहीं।

सोमवार को, 'मतदाता अधिकार यात्रा' के आखिरी दिन एक सभा को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने भाजपा को एक आसन्न खुलासे की चेतावनी देते हुए कहा कि वह जल्द ही वोट चोरी के अपने आरोपों पर एक हाइड्रोजन बम छोड़ेंगे, क्योंकि महादेवपुरा के बारे में जो दिखाया गया वह सिर्फ़ एक परमाणु बम था। गांधी ने भाजपा पर तीखे हमले करते हुए कहा कि 'महात्मा गांधी की हत्या करने वाली ताकतें अब भारत के संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं।'

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 16 दिनों तक चलने वाली 'मतदाता अधिकारयात्रा' का उद्देश्य मतदाता अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और कथित 'वोट चोरी' और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं का विरोध करना है।

शरजील इमाम की नहीं होगी रिहाई, हाईकोर्ट ने दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली।दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े 'बड़ी साजिश' मामले में आरोपी कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य को ज़मानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शरजील इमाम, उमर खालिद, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा की ज़मानत याचिकाओं पर फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष ने दलीलों का विरोध करते हुए कहा था कि यह स्वतःस्फूर्त दंगों का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसा मामला है जहाँ दंगों की पहले से ही योजना बनाई गई थी और इसके पीछे एक खतरनाक मकसद और सोची-समझी साजिश थी।

खालिद, इमाम और अन्य पर फरवरी 2020 के दंगों के कथित 'मास्टरमाइंड' होने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज़्यादा घायल हुए थे। यह हिंसा सीएए और एनआरसी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी।

अभिनेत्री रान्या राव को भरना होगा 102.55 करोड़ रुपये का जुर्माना, DRI ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सनसनीखेज सोना तस्करी मामले में अभिनेत्री रान्या राव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने न्याय प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभिनेत्री को 102.55 करोड़ का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है। यह नोटिस रान्या राव और तीन अन्य आरोपियों को जेल में दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जुर्माना न भरने पर उनकी संपत्ति कुर्क की जा सकती है। यह कार्रवाई 127.3 किलोग्राम से अधिक सोने की तस्करी के मामले में चल रही जाँच का हिस्सा है, जिसमें अभिनेत्री को 4 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

रान्या राव को 20 मई को आर्थिक अपराध न्यायालय ने सोने की तस्करी के एक कथित मामले में सशर्त ज़मानत दी थी। ज़मानत के बावजूद, वह COFEPOSA (विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम) मामले के तहत हिरासत में हैं। इससे पहले, 11 अगस्त को, रान्या राव के सौतेले पिता रामचंद्र राव, जिन्हें अनिवार्य अवकाश पर भेजा गया था, को नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय के पुलिस महानिदेशक के पद पर बहाल कर दिया गया था और उनकी छुट्टी वापस ले ली गई थी। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के अवर सचिव ने कहा पुलिस महानिदेशक, नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय का पद, आईपीएस (वेतन) नियम 2016 के नियम 12 के तहत, जैसा कि उक्त नियम की अनुसूची छ्छ में शामिल है, पुलिस महानिदेशक, आपराधिक जाँच विभाग, विशेष इकाइयाँ और आर्थिक अपराध, बेंगलुरु के कैडर पद के समकक्ष दर्जा और जिम्मेदारियों में घोषित किया गया है।

मैं खुद बड़े मैच का खिलाड़ी मानता हूं : नीतीश राणा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नीतीश राणा के लिए साल 2024 कुछ खास नहीं रहा था। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताबी जीत अभियान में पहले चोट और फिर टीम कॉम्बिनेशन के कारण उन्हें सिर्फ दो मैचों में खेलने का मौका मिला। इसके बाद जब घरेलू सीजन आया तो रणजी ट्रॉफी के शुरूआती चार मैचों की छह पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक आने के कारण उन्हें उत्तर प्रदेश की रणजी टीम से बाहर कर दिया गया। इसके बाद वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 9 मैच जरूर खेले, लेकिन उसमें भी उनका औसत सिर्फ 13.88 और स्ट्राइक रेट 114.43 का रहा।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी एक मैच के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और जब रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण शुरू हुआ, तब भी वह टीम में नहीं थे। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उनके नाम दो अर्धशतक जरूर थे, लेकिन 11 में से आधा दर्जन पारियों में वह दहाई के अंक को भी नहीं छू पाए थे। इसके बाद राणा ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपने घर लौटने का फैसला किया और कहा कि 2025-26 का घरेलू सीजन वह दिल्ली की तरफ से खेलेंगे।

अब राणा ने इस घर वापसी का जश्न दिल्ली प्रीमियर लीग सीजन-2 की खिताबी जीत से मनाया है, जहां वह वेस्ट दिल्ली राइडर्स टीम के कप्तान थे। उन्होंने तीन प्लेऑफ मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ तीन नाबाद मैच-जिताऊं पारियां खेलीं और बताया कि वह बड़े मैच के खिलाड़ी हैं। इस खिताबी जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राणा ने कहा, 'बड़े मैच में बड़े खिलाड़ियों का चलना बहुत जरूरी होता है क्योंकि इन मैचों में दबाव बहुत ज्यादा होता है। बड़े खिलाडियों को दबाव से निपटना थोड़ा बेहतर आता है और मैं अपने आपको उसी श्रेणी में रखता हूं जो दबाव वाली परिस्थितियों में आसानी से मैच को निकाल सकते हैं।'

राणा ने कहा, 'एक अनुभवी खिलाड़ी के रूप में आपको पता होता है कि आप अच्छी लय में हैं या नहीं। मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं, बस रन बोर्ड पर नहीं आ रहे थे। लेकिन मैं अपने आपको लगातार बैक कर रहा था। मैं अपने फॉर्म से बस एक बड़ी पारी दूर था और मुझे यह पता था कि यह जल्द ही आने वाला है। भाग्य से यह तभी आया, जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। अब मैं कह सकता हूं कि देर आए, दुरूस्त आए और हम चैंपियन बने। हालांकि मैं फॉर्म वापसी की कोशिश पहले मैच से कर रहा था।'

बीसीसीआई ने टीम इंडिया के टाइटल प्रायोजन के लिए बोलिया आमंत्रित की, ये कम्पियां नहीं कर सकेंगी आवेदन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फैंटेसी स्पोर्ट्स की दिग्गज कंपनी ड्रीम 11 के हाथ खींचने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय क्रिकेट टीम के टाइटल प्रायोजन अधिकारों के लिए बोलियां आमंत्रित की जिसमें वास्तविक धन गेमिंग और क्रिप्टोकरेंसी में काम करने वाली कंपनियों पर रोक लगाई गई है क्योंकि सरकार ने ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारतीय टीम 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होने वाले एशिया कप में बिना मुख्य प्रायोजक के खेलेगी क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर तय की है।

ड्रीम 11 ने हाल ही में 'ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के प्रचार और विनियमन' के कारण अपने वास्तविक धन वाले गेम बंद कर दिए हैं। अधिनियम में कहा गया है कि 'कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं की पेशकश, सहायता, उकसाना, प्रेरित, लिप्त या संलग्न नहीं होगा और न ही किसी ऐसे विज्ञापन में शामिल होगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी व्यक्ति को कोई भी ऑनलाइन मनी गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करता हो।'

ड्रीम 11 और माय 11 सर्कल के साथ बीसीसीआई का भारतीय क्रिकेट टीम और इंडियन प्रीमियर लीग के लिए 1000 करोड़ रूपए के करीब टाइटल प्रायोजन करार था। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया, 'बोली लगाने वाला जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है उसे भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और भारत में सट्टेबाजी या जुए में संलग्न किसी भी व्यक्ति में कोई निवेश या स्वामित्व हित नहीं होना चाहिए।'

आईईओई खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है और बोली के दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। इसमें आगे कहा गया, 'बोली लगाने वाला या उसके समूह की कोई भी कंपनी किसी भी तरह की ऐसी गतिविधि या व्यवसाय में शामिल नहीं होनी चाहिए जिसकी आनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के तहत अनुमति नहीं है।' इसके अलावा तंबाकू, शराब और ऐसी कोई भी चीज जो सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचाती हो, इसके पात्र नहीं हैं। बोर्ड ने कहा कि एक से अधिक ब्रांड/उत्पाद श्रेणियों में काम करने वाले या उनसे जुड़े बोली लगाने वालों का एक ब्रांड निषिद्ध या ब्लॉक की श्रेणी में आता है तो ऐसी श्रेणियों के संबंध में बोली प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बोली लगाने वाले को 'सरोगेट' ब्रांड के माध्यम से बोलियां लगाने से प्रतिबंधित किया गया है। सरोगेट ब्रांडिंग के मायने किसी अन्य संस्था या व्यक्ति के माध्यम से किसी अन्य संस्था या व्यक्ति की ओर से अप्रत्यक्ष रूप से बोली प्रस्तुत करने के किसी भी प्रयास से है।

राजगीर में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैचों के आयोजन का रास्ता साफ़

पटना **(एजेंसी)**। बिहार में अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैच के आयोजन का रास्ता अब साफ़ हो गया है। बिहार सरकार द्वारा ऐतिहासिक नगरी राजगीर में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को रख-रखाव और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के आयोजन के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को सौंप रही है। मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में खेल विभाग द्वारा इस स्टेडियम को बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को सौंपने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी प्रदान कर गई है।

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि राजगीर में नवनिर्मित राज्य खेल अकादमी-सह-अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) से सम्बद्ध बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को रख-रखाव और संचालन के लिए सौंपने की मंत्रिपरिषद ने सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। अब इस स्टेडियम में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि राज्य के खिलाड़ियों के हित में मंत्रिमंडल ने कई और फैसले भी लिए हैं। पटना प्रमंडलीय मुख्यालय में खेल अवसंरचनाओं के निर्माण के लिए मंत्रिमंडल ने पुनपुन अंचल के डुमरी में एक सौ एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए 574 करोड़, 33 लाख, 90 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में बिहार ने व्यापक प्रगति की है। खेल अवसंरचना के निर्माण से राज्य में खेल प्रतियोगिताओं का वृहद स्तर पर आयोजन किया जा सकेगा। साथ ही, युवाओं को स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा भी उपलब्ध होगी। श्री चौधरी ने बताया कि बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति नियमावली, 2023 के अनुसार उनकी योग्यता, प्रदर्शन और उपलब्धियों के आधार पर विभिन्न वेतनमानों में नियुक्त की जाएगी। साथ ही, अब हर साल किसी भी खेल विधा में 5 पुरुष और 5 अहिला खिलाड़ियों की नियुक्ति की जाएगी। शर्त यही है कि ये खिलाड़ी बिहार के मूल निवासी हों।

मिशेल स्टार्क का संन्यास : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 35 वर्षीय स्टार्क ने बताया कि भारत के टेस्ट दौरे, एशेज और 2027 वनडे र्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ये फैसला लिया है।

मिचेल ने कहा कि, टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है। मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए हर टी20 मैच के हर मिनट का आनंद लिया, खासकर 2021 वर्ल्ड कप में। सिर्फ इसलिए नहीं कि हम खिताब जीते, बल्कि इसलिए क्योंकि हमारी टीम शानदार थी और उस दौरान हमने खूब मजे भी किए।

बता दें कि, अगले साल ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट क्रिकेट में काफी व्यस्त शेड्यूल है। इसमें बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज, साउथ अफ्रीका दौरा, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 मैचों की सीरीज शामिल है। जनवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया भारत दौरे पर 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम होगी। वहीं इसके बाद साउथ अफ्रीका, नामीबीया और जिम्बाब्वे में ओडीआई वर्ल्ड कप 2027 का आयोजन होगा। जिसमें ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम डिफेंडिंग चैंपियन बनकर उतरेगी। स्टार्क ने टेस्ट और वनडे को प्राथमिकता देते हुए टी20 को अलविदा कहने का फैसला किया है।

वहीं स्टार्क ने कहा कि, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज, एशेज और फिर 2027 वर्ल्ड कप। इन टूर्नामेंट में खुद को फिट रखने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए मुझे लगता है कि यही सही है। उन्होंने आगे कहा कि, इससे 2026 में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए नई गेंदबाजी यूनिट को तैयारी के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।

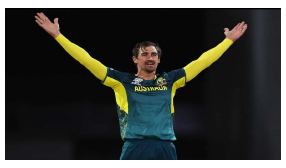

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची इंशोरेंस कम्पनी, श्रीसंत से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राजस्थान रॉयल्स और एस श्रीसंत एक बाद फिर विवादों में हैं क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2012 सीजन में श्रीसंत की चोट के कारण इंशोरेंस कम्पनी ने राजस्थान को सुप्रीम कोर्ट में घसीटा है। लीग के पांचवें संस्करण की शुरुआत से पहले राजस्थान ने 8.70 करोड़ रुपए के खिलाड़ी के लिए हानि शुल्क कवर के साथ विशेष आकस्मिक बीमा लिया था। आईपीएल 2012 शुरू होने से एक हफ्ते से भी कम समय पहले श्रीसंत को जयपुर में एक अभ्यास मैच के दौरान घुटने में चोट लग गई और वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

राजस्थान ने अपने बीमा के तहत 82.80 लाख रुपए का दावा किया। एक सर्वेक्षक ने पुष्टि की कि चोट अप्रत्याशित थी। हालांकि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस ने कहा कि वे जिम्मेदार नहीं हैं क्योंकि श्रीसंत पहले से ही पैर के अंगूठे में चोट से जूझ रहे थे। यह मामला आज भी जारी है और सुप्रीम कोर्ट गया था। राजस्थान के प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कहा कि श्रीसंत के पैर के अंगूठे की चोट उनके करियर के लिए खतरा नहीं थी और मेडिकल स्टाफ ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी थी। दरअसल घुटने की चोट के कारण ही उन्हें खेलने से रोका गया था। उन्होंने कहा, 'पैर के अंगूठे की चोट ने उन्हें खेलने से नहीं रोका। वह खेल रहे थे! अभ्यास सत्र के दौरान ही उन्हें घुटने में चोट लगी थी।'

अदालत इससे सहमत हुई। उसने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस से पूछा कि अगर श्रीसंत के पैर के अंगूठे में चोट थी, तो उन्होंने उसका बीमा क्यों किया? अगर उन्हें पहले से जानकारी होती तो वे या तो मना कर सकते थे या कवर के लिए ज्यादा प्रीमियम ले सकते थे। लेकिन फिलहाल अदालत ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी ताकि बीमाधारक को बीमा आवेदन और श्रीसंत के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र सहित अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने का मौका मिल सके।

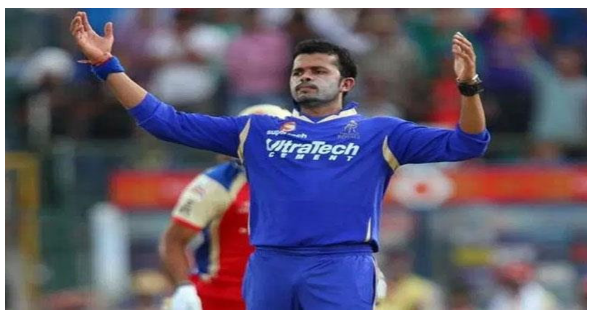

भारतीय कंपनियां निवेश बढ़ाएं तो आठ प्रतिशत हो सकती है वृद्धि दर : पात्रा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा ने सोमवार को कहा कि भारतीय कॉरपोरेट जगत पर्याप्त निवेश नहीं कर रहा है जिसकी वजह से देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आठ प्रतिशत से ऊपर नहीं जा पा रहा है। पात्रा ने एलारा कैपिटल के एक कार्यक्रम में कहा, 'अब हम फिर से आठ प्रतिशत वृद्धि की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इसमें भारतीय कंपनियां पर्याप्त निवेश नहीं कर रही हैं।'

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी में एक चक्रीय गिरावट देखे जाने से वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत पर आ गई थी, लेकिन वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर इस दिशा में उम्मीद बढ़ाती है। पात्रा ने कहा कि निवेश नहीं होने का बड़ा कारण मांग को लेकर स्पष्टता की कमी है। जब कंपनियों को राजस्व वृद्धि का भरोसा नहीं होता है तो वे पूंजी निवेश से कतराती हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्यात पर मौजूदा वैश्विक हालात में निर्भर नहीं रहा जा सकता, इसलिए खपत और फिर निवेश के सहारे आर्थिक वृद्धि के चक्र को तेज किया जा सकता है। महंगाई पर नियंत्रण को उन्होंने दीर्घकालिक वृद्धि के लिए आवश्यक बताया और कोविड के बाद दरों में की गई बढ़ोतरी को उचित ठहराया।

सेंसेक्स 206 अंक गिरकर 80, 157 पर हुआ बंद, निफ्टी 24, 579 के स्तर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार ने शुरुआती तेजी के बावजूद मुनाफावसूली के दबाव में गिरावट का सामना किया और बीएसई सेंसेक्स व एनएसई निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए. 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 206.61 अंक या 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80, 157.88 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 45.45 अंक या 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24, 579.60 पर बंद हुआ. डॉलर के मुकाबले रुपया भी 6 पैसे गिरकर 88.16 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया.

बाजार में गिरावट का मुख्य कारण बैंकिंग और ऑटो सेक्टर में मुनाफावसूली को माना जा रहा है. जीएसटी परिषद की बैठक और वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) अनुबंध की समाप्ति के मद्देनजर निवेशक सतर्क दिखाई दिए. जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों ने मजबूत वृहद आंकड़ों से शुरुआती बढ़त हासिल की थी, लेकिन मुनाफावसूली के कारण दिन के अंत में गिरावट देखी गई.

सेंसेक्स के आंकड़ों के अनुसार दिन भर के कारोबार में सूचकांक ने 80, 761.14 का उच्चतम और 80, 009 के निचले स्तर को छुआ. इसी तरह निफ्टी ने कारोबार के दौरान 24, 756.10 का उच्चतम और 24, 522.35 का निचला स्तर दर्ज किया. सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो नुकसान में बंद हुए. वहीं पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर ने लाभ दर्ज किया. जीएसटी परिषद की नई दिल्ली में 3 सितंबर से दो दिवसीय बैठक शुरू हो रही है, जिसमें कर दरों में प्रस्तावित कटौती पर चर्चा होगी. यह बैठक निवेशकों की नजरों में महत्वपूर्ण है और इसके निर्णय से बाजार में प्रवृत्ति प्रभावित हो सकती है.

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक सकारात्मक रहे, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए. यूरोप के बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे. अमेरिकी बाजार सोमवार को श्रम दिवस की छुट्टी के कारण बंद रहे.

वहीं, तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.72 प्रतिशत बढ़कर 69.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1, 429.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4, 344.93 करोड़ रुपये की खरीदारी की.

कुल मिलाकर, निवेशकों ने जीएसटी परिषद की बैठक और मुनाफावसूली के कारण सतर्कता बरती और बाजार शुरुआती तेजी खोकर लाल निशान पर बंद हुआ.

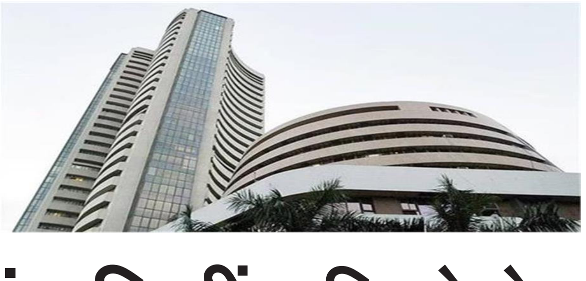

दिल्ली का विनिर्माण क्षेत्र 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर से तीन गुना अधिक बढ़ा : रिपोर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली के विनिर्माण क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में 11.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो राष्ट्रीय स्तर की 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का करीब तीन गुना है। यह स्थानीय स्तर पर तेज औद्योगिक सुधार का संकेत है। दिल्ली सरकार के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय की तरफ से हाल ही में औद्योगिक उत्पादन पर जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी का कुल औद्योगिक उत्पादन पिछले वित्त वर्ष में 2023-24 के मुकाबले 9.19 प्रतिशत बढ़ा जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह वृद्धि चार प्रतिशत रही। यह वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2011-12 को आधार वर्ष मानकर तैयार की गई है और इसमें दिल्ली की 134 विनिर्माण इकाइयों एवं एक बिजली इकाई से जुटाए गए उत्पादन आंकड़े शामिल हैं। इन इकाइयों में 90 श्रेणियों के उत्पाद बनाए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में 23 में से नौ विनिर्माण इकाइयों ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। इनमें खाद्य पदार्थ, चमड़ा व संबंधित उत्पाद, मोटर वाहन, परिवहन उपकरण, धातु उत्पाद, रसायन और पेय पदार्थ शामिल हैं। हालांकि, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, पेट्रोलियम, दवाइयां और मशीनरी समेत 13 उत्पाद समूहों के उत्पादन में सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट कहती है कि दिल्ली के कुछ कारखाने पिछले वित्त वर्ष में या तो बंद हो गए या अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो गए जबकि कुछ कारखानों में कोई उत्पादन नहीं हुआ। दिल्ली के बिजली क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में 3.35 प्रतिशत की मध्यम वृद्धि दर्ज की जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह वृद्धि 5.2 प्रतिशत रही।

शादी के बाद पहली बार पति संग दिखीं नरगिस फाखरी, रचाई थी सीक्रेट वेडिंग

मुंबई(एजेंसी)।बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से कैलिफोर्निया में गुपचुप तरीके से शादी की। हाल ही में उन्हें मुंबई में विजिट कतर और नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र की पार्टनरशिप पार्टी में देखा गया था। इस पार्टी की तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वहीं, एक वीडियो में नरगिस फाखरी अपने पति टोनी के साथ दिखाई दी, जहां नरगिस और टोनी फिल्म मेकर फराह खान के साथ पोज देते नजर आए।

एक वीडियो में नरगिस, टोनी और फिल्म निर्माता फराह खान एक साथ रेड कार्पेट पर पोज देते दिखाई दिए। इस दौरान वीडियो में जैसे ही टोनी, फराह और नरगिस के साथ पोज देने के लिए आगे बढ़े तो फराह उन्हें कहती सुनाई दीं, 'अपनी पत्नी के पास आओ।' जहां कई प्रशंसक यह जानकर हैरान थे कि नरगिस शादीशुदा हैं, वहीं कुछ ने उन्हें खूबसूरत कपल भी कहा। इस कार्यक्रम में अनिल कपूर, चंकी पांडे से लेकर ध्वनि भानुशाली तक ने शिरकत की।

नरगिस इस इवेंट में महिमा महाजन द्वारा डिजाइन किए गए वाइन कलर के इंडो वेस्टर्न लहंगे-चोली में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को सोने की चूड़ियों और मैचिंग नेकलेस के साथ पूरा किया। वहीं, टोनी ऑल ब्लैक आउटफिट में काफी हैंडसम लग रहे हैं, जबकि फराह भी ब्लैक आउटफिट में दिखीं, जिसका ब्लेजर कई कलर के फूलों की कढ़ाई से तैयार किया गया है।

नरगिस ने इस साल फरवरी में अपने बॉयफ्रेंड और अमेरिका में रहने वाले इंडस्ट्रियलिस्ट टोनी से शादी की। शादी के बंधन में बंधने से पहले दोनों ने लगभग तीन साल तक डेट किया। उन्होंने दुबई में नए साल 2024 का जश्न भी साथ मनाया था, जहां नरगिस के एक्स बॉयफ्रेंड उदय चोपड़ा भी मौजूद थे। उनकी शादी की कई तस्वीरें रेडिट पर सामने आईं, जिनमें से एक केक का था जिस पर लिखा, 'टीबी और एनएफ हैप्पी मैरिज'।

नरगिस हाल ही में साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बनी 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित इस कॉमेडी-थ्रिलर में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडिस, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे, निकितिन धीर और जॉनी लीवर भी थे। 250 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 288.58 करोड़ की कमाई की।

'कितने बेवकूफ हो तुम', पारस छाबड़ा पर बरसीं पवित्रा पुनिया, देवी के कपड़े बदलने से जुड़ा है मामला

मुंबई(एजेंसी)टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' फेम पवित्रा पुनिया भले ही इंडस्ट्री में अपने काम को लेकर एक्टिव न हो, लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें शेयर करती रहती हैं। बीते दिनों उन्होंने एक पॉडकास्ट में स्टेटमेंट दिया था, जिसमें उन्होंने मंदिरों में पुजारियों द्वारा देवी के कपड़े बदले जाने का विरोध किया था। उनके इस बयां की वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

इसके बाद 'बिग बॉस 13' फेम पारस छाबड़ा ने एक वीडियो बनाया और उसमें एक्ट्रेस पर तंज कसते हुए कहा था कि बुद्धि में जो गंद भरा हुआ है, उसको निकाल देना चाहिए। फिर ऐसी बातें करनी चाहिए, क्योंकि मूर्ति एक आदमी ही बनाता है। अब पारस के इस बयां के बाद पवित्रा ने इस पर रिएक्ट किया है और एक्टर को धमकी देते हुए बेवकूफ तक बता दिया है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है। पवित्रा ने टेली मसाला को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'पहली बात तो यह है कि इंसान और भगवान में बहुत फर्क होता है, यह समझना जरूरी है। मैं आपके साथ जैसा बर्ताव करती करूंगी, वैसा भगवान नहीं करेगा। आपने उनको देखा भी नहीं, वह एहसास-रूह है जो सही-गलत बताता है। अगर आपने अपनी मां की सेवा भी की है तो जिस समय वह जाती है, मर्द उसको स्नाना नहीं कराता। ये कोई भी धर्म ले लीजिए आप, यहां किसी एक धर्म की बात नहीं है। इसके बाद पवित्रा ने पारस के वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, 'वहां एक और टिप्पणी हुई थी, मूर्ति भी तो आदमी बनाते हैं। कितने बेवकूफ हो तुम, बॉडी में जब तक आत्मा न हो, तब तक वो डेड बॉडी है, उससे पहले उसका अस्तित्व नहीं। मंदिरों में देवी की मूर्ति के कपड़े आदमी कैसे बदल सकता है, ये मेरा स्टेटमेंट था। मंदिरों में उस मां के अंदर प्राण होते हैं,

पश्चिम रेलवे
व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध
मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई-400013 ई-निविदा सूचना संख्या EL90/MX/2025-26/06 दिनांकः 26.08.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** कार्य के दायरे के अनुसार, ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी में ध्रिं के अधिकृत विक्रेता के माध्यम से 03 वर्षों के लिए किर्लोस्कर निर्मित 05 विद्युत चालित रोटरी स्क्रू प्रकार के एयर कंप्रेसर का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागतः** 22,44,914.60 **अग्रिम जमाः** 44,900 **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समयः** 22.09.2025, 12.00 बजे तक (इलेक्ट्रॉनिक रूप से)। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0553
हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पीएम मोदी का भाषण सुन भर आई बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की आंखें

पटना (**एजेंसी**)। बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस की हाल ही में संपन्न 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान अपने और अपनी दिवंगत माँ के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए भावुक हो गए। यह क्षण इतना मार्मिक था कि बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल अपनी आँखों से आँसू पोंछते हुए दिखाई दिए, यह दृश्य एक वीडियो में कैद हो गया जो अब वायरल हो गया है।बाद में दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आर्थिक मदद दी। 20 लाख माताएँ-बहनें प्रधानमंत्री मोदी को सुन रही थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माँ को गाली देने से बड़ा कोई पाप नहीं हो सकता। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बिहार की धरती को शर्मसार किया है। मैं भी भावुक हो गया...सत्ता पाने के लिए इतना नीचे नहीं गिरना चाहिए।

यह टिप्पणी मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का वर्चुअल शुभारंभ करने के दौरान आई। उन्होंने अपनी माँ के प्रति की गई गालियों पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि भले ही वह राजद और इस सबसे पुरानी पार्टी को माफ़ कर दें, लेकिन पूर्वी राज्य के लोग उन्हें कभी माफ़ नहीं करेंगे। मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि कांग्रेस के मंच से उनकी माँ को गालियाँ दी जाएँगी। मोदी ने कहा कि माँ हमारा संसार है। माँ हमारा स्वाभिमान है। इस संस्कार संपन्न बिहार में कुछ दिन पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की

थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी माँ को गालियाँ दी गईं। ये गालियाँ सिर्फ़ मेरी माँ का अपमान नहीं हैं। ये देश की माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान है।

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि मैं जानता हूँ... आप सभी को, बिहार की हर माँ को, ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा होगा! मुझे पता है, जितना दर्द मेरे दिल में है, उतना ही दर्द बिहार के लोगों को भी है। उन्होंने कहा कि मेरी माँ ने मुझे अपने से अलग कर दिया ताकि मैं आप जैसी करोड़ों माताओं की सेवा कर सकूँ। आप सब जानते हैं कि अब मेरी माँ जीवित नहीं हैं। कुछ समय पहले, 100 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद, वो हम सबको छोड़कर चली गईं। मेरी वो माँ, जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, जो अब नहीं रही, उसे राजद और कांग्रेस के मंच से गालियाँ दी गईं। बहनों और माताओं, मैं आपके चेहरे देख सकता हूँ; मैं उस दर्द की कल्पना कर सकता हूँ जो आपने महसूस किया होगा। मैं कुछ माताओं की आँखों में आँसू देख सकता हूँ। यह बहुत दुखद है, दर्दनाक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी माँ ने हम सबको बेहद गरीबी में पाला... वो अपने लिए कभी नई साड़ी नहीं खरीदती थीं और हमारे परिवार के लिए एक-एक पैसा बचाती थीं। मेरी माँ की तरह, मेरे देश की करोड़ों माताएँ हर दिन तपस्या करती हैं। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। इसलिए, मुझे आज इस बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देशसेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी। उन्होंने कहा कि मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है। और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मुझे मां भारती की सेवा करनी थी... इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था।

उन्होंने कहा कि एक गरीब मां ऐसे ही तपकर अपने बच्चों को शिक्षा-

के कविता के खिलाफ बीआरएस का एक्शन पार्टी से तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को अपनी एमएलसी के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। यह निर्णय उनके पिता, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने लिया। उन्होंने अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण उनकी हालिया टिप्पणियों और गतिविधियों को बताया जो पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के विरुद्ध थीं। बीआरएस ने ट्वीट किया कि पार्टी नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से ले रहा है क्योंकि पार्टी एमएलसी के. कविता का हालिया व्यवहार और चल रही पार्टी विरोधी गतिविधियाँ बीआरएस पार्टी को नुकसान पहुँचा रही हैं। पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित करने का निर्णय लिया है।

कविता का निलंबन बीआरएस के भीतर एक बड़ी घटना है, जो ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी पहले से ही आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है। यह कदम हफ़्तों से बढ़ते तनाव के बाद उठाया गया है। निलंबन से ठीक एक दिन पहले, उन्होंने केसीआर की छवि खराब करने के लिए पार्टी के सहयोगियों पर खुलेआम आरोप लगाकर बीआरएस में खलबली मचा दी थी। उन्होंने वरिष्ठ नेता टी हरीश राव और पूर्व सांसद मेघा कृष्ण रेड्डी पर अपने पिता पर 'भ्रष्टाचार' का ठप्पा लगाने का आरोप लगाया और हरीश राव तथा संतोष कुमार पर उन्हें दरकिनार करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया।

22 अगस्त को, कविता को तेलंगाना बोग्गू गनी कार्मिक संघम (टीबीजीकेएस) के मानद अध्यक्ष पद से अचानक हटा दिया गया, जबकि वह विदेश में थीं। उन्होंने पार्टी के अंदरूनी सूत्रों पर उनके खिलाफ साज़िश रचने का आरोप लगाया और कहा कि उनका निष्कासन राजनीति से प्रेरित था।

पूरी तरह से ड्रामा पर उतर आए हैं अप्पू और पप्पू, राहुल-तेजस्वी पर बरसे विजय कुमार सिन्हा

पटना (**एजेंसी**)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बिहार के नेता तेजस्वी यादव पर परोक्ष रूप से हमला बोलते हुए उन्हें अप्पू और पप्पू करार दिया। सिन्हा ने दोनों विपक्षी नेताओं पर सनातनी संस्कृति को नुकसान पहुँचाने और लोकतंत्र को नष्ट करने का आरोप लगाया। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए 'अप्पू' और 'पप्पू' दोनों ही करुणा की राजनीति में लिप्त हैं। वे बिहार को गाली देने वालों का सम्मान करते हैं। वे लोकतंत्र के विध्वंसक हैं। वे हमारी सनातनी संस्कृति को भी नुकसान पहुँचाते हैं। वे सबसे बड़े डाकू हैं। हालाँकि, जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

विजय कुमार सिन्हा ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी तमाशा करना चाहते हैं। जो भ्रष्टाचार की माँ की गोद में पला-बढ़ा हो, जिसने उग्रवाद, अपराध, भ्रष्टाचार को पाला हो, वो 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानकर उनकी सेवा करने वाले देशभक्त के बारे में कुछ भी कहे, जनता विश्वास नहीं करेगी। ये दोनों, अप्पू और पप्पू, पूरी तरह से ड्रामा पर उतर आए हैं, अपने पद की गरिमा गिरा रहे हैं... संवैधानिक संस्था को बदनाम कर रहे हैं।

भाजपा पर 'वोट चोरी' के आरोपों और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा संशोधित मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के लिए राहुल गांधी द्वारा शुरू की गई 16 दिवसीय यात्रा आज पटना में संपन्न हुई। यह रैली 18 अगस्त को सासाराम में राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के साथ शुरू हुई थी। वहाँ से, यह रैली 25 जिलों से होते हुए औरंगाबाद, गयाजी, सीवान और अन्य जिलों तक पहुँची।

डरें नहीं, ट्रंप गार्ड भेज रहे हैं, मोदी-जिनपिंग-पुतिन का वीडियो पोस्ट कर कैलिफोर्निया के गवर्नर ने अमेरिकी प्रेसिडेंट के मजे ले लिए

वाशिंगटन (**एजेंसी**)। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मंगलवार को चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत का एक वीडियो साझा करके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर कटाक्ष किया। एक एक्स पोस्ट में न्यूसम ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसका कैप्शन था: लेकिन डरें नहीं, ट्रम्प शिकागो में गार्ड भेज रहे हैं। तियानजिन शिखर सम्मेलन के एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी पुतिन और शी जिनपिंग के साथ खुलकर बातचीत करते नज़र आए। इस क्लिप में वह पल भी कैद हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन हाथों में हाथ डाले चल रहे थे, जो दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी को दर्शाता है।

वोटर अधिकार यात्रा में गुम हुई बाइक! राहुल गांधी ने खोई बाइक के बदले दी नई पल्सर, दरभंगा के युवक का जीता दिल

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। एक राजनीतिक रोड शो में अप्रत्याशित मोड़ तब आया जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार के दरभंगा के एक ढाबा मालिक को एक बिल्कुल नई पल्सर 220 बाइक उपहार में दी, जिसकी मोटरसाइकिल एक रैली के दौरान गायब हो गई थी।यह घटना 27 अगस्त को हुई, जब राहुल गांधी अपनी मतदाता अधिकार यात्रा के तहत दरभंगा में एक रोड शो और रैली कर रहे थे। इस दौरान, सुरक्षाकर्मियों ने ढाबे के पास खड़ी कई बाइकें जब्त कर लीं। इनमें ढाबे के मालिक शुभम की एक पल्सर 220 भी शामिल थी।

कांग्रेस ने 'एक्स' पर शुभम सौरभ की एक वीडियो पोस्ट की है, जिसने अपनी आपबीती सुनाई और गर्व से अपनी मोटरसाइकिल की चाबी दिखाई, जिसे खुद राहुल गांधी ने उन्हें सौंपा है। सौरभ ने बताया, "जब राहुल गांधी दरभंगा में बाइक रैली निकाल रहे थे, तो मैंने अपनी मोटरसाइकिल उनके साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों को दे दी थी। बाद में जब मुझे पता चला कि मेरी मोटरसाइकिल कहीं खो गई है, तो मैं बहुत दुखी हुआ।"

उन्होंने बताया, "दो दिन पहले, मुझे किसी अनजान व्यक्ति का फ़ोन आया। उसने कहा कि राहुल गांधी एक सितंबर को पटना में मुझे एक नयी मोटरसाइकिल भेंट करना चाहते हैं।" युवक ने यह खबर अपने पिता को बताई। हालांकि, शुरू में तो दोनों को इस बात पर यकीन नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने तय किया कि जिस दिन राहुल गांधी 'वोटर अधिकार यात्रा' का समापन करेंगे, उसी दिन वे पटना जाएंगे।

उन्हें 'आयकर गोलम्बर' पर इंतजार करने के लिए कहा गया, जहां गांधी मैदान जाते समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल युवक को चाबियां सौंपने के लिए कुछ देर रुके। सौरभ ने कहा, "मुझे उसी मॉडल की बिल्कुल नयी मोटरसाइकिल मिलने की खुशी है, जो मैंने खो दी थी। इतने बड़े नेता के इस कदम से मैं अभिभूत हूं।

रूसी तेल रोकने चला था यूरोप, अब खुद ही फंस गया ईरान को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बड़ा खेल हो गया

तेहरान (**एजेंसी**)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्लान रूस, ईरान और चीन को तगड़ा झटका देने का था। इसके लिए उन्होंने भारत को चुना। रूसी तेल खरीदारी पर रोक लगाने के लिए भारत पर टैरिफ लगाकर अमेरिका ने कितनी बड़ी गलती की है। इसका एहसास अब बहुत जल्द अमेरिका को होने वाला है। चीन पहुंचने के साथ ही जहां भारत, रूस और चीन का गठबंधन दिखाई पड़ा। वहीं दूसरी तरफ ईरान और उत्तर कोरिया के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी भी पल चीन पहुंचने वाले हैं। लेकिन ये जब तक चीन पहुंचते उससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका को एक बहुत बुरी खबर सुना दी। सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि इसने पूरे पश्चिम को हिलाकर रख दिया। वो पश्चिमी देश जो लगातार ईरान पर हमलावर थे। उस ईरान के समर्थन में अब रूस और चीन ने ऐसा फैसला लिया है। जिसका असर सीधे यूरोपीय देशों पर पड़ेगा। जिस यूरोप का हवाला देकर अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त पाबंदी लगाए अब वही यूरोप चीन और रूस के निशाने पर आ गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य चीन और रूस ने यूरोपीय देशों की ओर से ईरान पर प्रस्तावित संयुक्त

राष्ट्र प्रतिबंधों को खारिज कर दिया है। यूरोपीय पाबंदियों के विरोध से ईरान को बड़ी राहत मिली है। ई-3 कहे जाने वाले देश जिसमें फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी शामिल हैं, उन्हें संयुक्त राष्ट्र में चीन और रूस की तरफ से तगड़ा झटका मिला है। फ्रांस और जर्मनी, ब्रिटेन ईरान पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाना चाह रहे थे। इसी प्रतिबंध को लेकर वो संयुक्त राष्ट्र में पहुंचे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य चीन और रूस ने ईरान का समर्थन करते हुए यूरोपीय देशों द्वारा तेहरान पर एक दशक पहले परमाणु समझौते के तहत कम किए गए संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों को फिर से लागू करने के कदम को खारिज कर दिया। चीनी, रूसी और ईरानी विदेश मंत्रियों द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में कहा गया है कि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा तथाकथित स्नैपबैक तंत्र के तहत प्रतिबंधों को स्वचालित रूप से बहाल करने का कदम कानूनी और प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण था।

चीन और रूस, तीन यूरोपीय देशों के साथ, विश्व शक्तियों के साथ ईरान के 2015 के परमाणु समझौते पर हस्ताक्षरकर्ता थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2018 में अपने पहले कार्यकाल में संयुक्त राज्य अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर लिया था। यूरोपीय देशों ने पिछले हफ़्ते 'स्नैपबैक मैकेनिज़्म' शुरू किया, जिसमें ईरान पर इस समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। इस समझौते के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के बदले उसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबंधों से राहत दी गई थी।

भारतीय रेल के टिकट कर्मचारी भी लगाएंगे डिजिटल अटेंडेंस

टिकट जाँच कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक साइन-ऑन/ऑफ

गोरखपुर। भारतीय रेलवे ने अपने टिकट जाँच कर्मचारियों के लिए एक नई बायोमेट्रिक साइन-ऑन और साइन-ऑफ प्रणाली शुरू की है, जो रेलवे संचालन के आधुनिकीकरण और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 29.08.25 को पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पर पहली डिजिटल टीटीई लॉबी चालू हो गई है। इस अभिनव प्रणाली को उत्तर रेलवे के बनारस मंडल, पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल, पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल, मध्य रेलवे के सीएसएमटी, पुणे और सोलापुर स्थित टीटीई लॉबी, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल, दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूर मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल, दक्षिण रेलवे के मदुरै, पालघाट, त्रिची और पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा लॉबी में सफलतापूर्वक लागू किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे ज़ोन ने भी विभिन्न मंडलों में चरणबद्ध तरीके से नई प्रणाली लागू की है। उत्तर रेलवे का जम्मू मंडल जल्द ही इस प्रणाली को लागू करने वाला है।

नई प्रणाली बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण को टिकट परीक्षक (टीटीई) लॉबी प्रणाली के साथ एकीकृत करती है, जिससे कर्मचारी आधार-सक्षम बायोमेट्रिक

उपकरण का उपयोग करके स्वयं को प्रमाणित कर सकते हैं। यह एक छेड़छाड़-रहित, पारदर्शी और गोपनीयता-अनुपालन उपस्थिति प्रक्रिया सुनिश्चित करती है जो वास्तविक समय में कार्य घंटों और ड्यूटी स्थिति को सटीक रूप से रिकॉर्ड करती है।

बायोमेट्रिक प्रणाली के मुख्य उद्देश्यः

प्रामाणिक उपस्थितिः यह सुनिश्चित करती है कि उपस्थिति रिकॉर्ड सटीक और सत्यापन योग्य हों।

रीयल-टाइम ट्रैकिंगः कर्मचारियों की उपलब्धता और ड्यूटी स्थिति पर रीयल-टाइम डेटा प्रदान करती है, जिससे अधिक कुशल प्रबंधन संभव होता है।

उन्नत निगरानीः कार्य घंटों और लॉबी संचालन की प्रभावी निगरानी प्रदान करती है।

निर्बाध एकीकरणः सुव्यवस्थित कर्मचारी तैनाती के लिए हैंड हेल्ड टर्मिनलों (एचएचटी) और ड्यूटी रोस्टर के साथ एकीकृत।

इस प्रणाली का कार्यान्वयन भारतीय रेलवे की कार्यकुशलता और पारदर्शिता में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बायोमेट्रिक साइन-ऑन/ऑफ प्रणाली न केवल कर्मचारियों की तैनाती को सुव्यवस्थित करेगी, बल्कि टिकट जाँच कर्मचारियों की समग्र कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही में भी उल्लेखनीय वृद्धि करेगी, जिससे अंततः सभी यात्रियों के लिए अनुभव बेहतर होगा।

डबल गेम खेल रहा चीन? मोदी संग मुलाकात के बाद अब मुनीर संग गलबहियां करते दिखे जिनपिंग

बीजिंग (**एजेंसी**)। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पहली मुलाकात की। यह मुलाकात शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के एक दिन बाद हुई है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे। मुनीर तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे और वे बुधवार को यहां जापानी आक्रमण के खिलाफ चीनी जन प्रतिरोध युद्ध की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली चीनी सेना की भव्य परेड में शामिल होंगे।

फील्ड मार्शल का पदभार संभालने के बाद जुलाई में अपनी पहली चीन यात्रा के दौरान, मुनीर ने उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की, लेकिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग से नहीं, जबकि उनके पूर्ववर्ती जनरल क़मर जावेद बाजवा उनसे मिले थे। उनकी यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दोपहर के भोजन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के बाद हुई थी। यह किसी अमेरिकी नेता का एक दुर्लभ कदम था जिसने पाकिस्तान-चीन के सदाबहार संबंधों को देखते हुए चीन में चिंता पैदा कर दी थी। शी जिनपिंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शामिल हुए कई अन्य नेताओं से मुलाकात की, जबकि शरीफ को मंगलवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति से मिलने का समय दिया गया। मुनीर के शरीफ़ के साथ परेड देखने जाने की उम्मीद थी, जिसमें चीनी सेना हवाई, ज़मीनी, इलेक्ट्रॉनिक और मिसाइल प्रणालियों सहित सभी प्रकार के अपने सबसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। ये हथियार प्रणालियाँ पाकिस्तानी सेना के लिए काफ़ी दिलचस्प थीं क्योंकि उसके 80 प्रतिशत से ज़्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार, जो टीम का हिस्सा भी थे, ने कहा कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की।

शिक्षकों पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश, पद पर बने रहना है या प्रमोशन चाहिए तो देनी होगी टीईटी परीक्षा

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि नियुक्ति चाहने वाले शिक्षकों और पदोन्नति चाहने वाले सेवारत शिक्षकों, दोनों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करना अनिवार्य होगा। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश अल्पसंख्यक दर्जे वाले शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगा। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने स्पष्ट किया कि जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति से पहले पाँच साल से कम सेवा शेष है, उन्हें अपने पद पर बने रहने के लिए यह परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं होगी।

क्या आपको कन्नड़ आती है, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के सवाल पर राष्ट्रपति मुर्मू का शानदार जवाब

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। राष्ट्रपति की मैसूर यात्रा के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच भाषा पर एक दोस्ताना बातचीत ने ध्यान खींचा। यह बातचीत अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान (एआईआईएसएच) के हीरक जयंती समारोह में हुई, जहाँ राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे।

राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए, सिद्धारमैया ने मुस्कुराते हुए पूछा कि क्या आप कन्नड़ जानते हैं? हँसते हुए कहा कि मैं कन्नड़ बोलता हूँ। इस सवाल पर दर्शकों में ठहाके गूंज उठे। अपने जवाब में, राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वीकार किया कि कन्नड़ उनकी मातृभाषा नहीं है, लेकिन उन्होंने भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के प्रति गहरी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'मैं माननीय मुख्यमंत्री को बताना चाहूँगी कि हालाँकि कन्नड़ मेरी मातृभाषा नहीं है, फिर भी मैं अपने देश की सभी भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का बहुत सम्मान करती हूँ। मैं उनमें से प्रत्येक का बहुत सम्मान करती हूँ।

उन्होंने लोगों को अपनी मूल भाषाओं और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि मैं धीरे-धीरे कन्नड़ सीखने का प्रयास ज़रूर करूँगी। राष्ट्रपति के इस भाषण पर दर्शकों ने तालियाँ बजाईं। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब कर्नाटक में भाषा संबंधी बहस एक बार फिर सुर्खियाँ बटोर रही है। इस साल की शुरुआत में सिद्धारमैया ने दैनिक जीवन में कन्नड़ के व्यापक उपयोग का आह्वान करते हुए कहा था कि कर्नाटक में रहने वाले सभी लोगों को यह भाषा बोलनी सीखनी चाहिए। उनके इस बयान पर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और राज्य में भाषा नीतियों पर नए सिरे से बहस शुरू कर दी।

कर्नाटक में भाषा संबंधी मुद्दे लंबे समय से विवाद का विषय रहे हैं। कन्नड़ समर्थक समूह सरकारी, शिक्षा और सार्वजनिक साइनबोर्डों में कन्नड़ के अनिवार्य उपयोग की वकालत करते रहे हैं। दिसंबर 2023 में, कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया और बीबीएमपी के उस नियम को लागू करने की मांग की, जिसके तहत व्यावसायिक साइनबोर्डों पर 60इ पाठ कन्नड़ में होना अनिवार्य है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)